के_डी_न्यूज

सुलतानपुर से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

UPHIN 47497

वर्ष–01 अंक 06 सुलतानपुर रविवार 10 नवम्बर 2024 मूल्य : दो रूपया पृष्ठ : 4

आकांक्षा हाट महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनकी प्रतिभा और योगदान को सम्मानित करने का एक सामूहिक प्रयास – मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने दो दिवसीय आकांक्षा हाट का शुभारम्भ किया

संवाददाता।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आकांक्षा हाट, प्रदेश के विभिन्न जनपदों की महिला उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों द्वारा हस्तनिर्मित उत्पादों को प्रोत्साहित करने, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनकी प्रतिभा और योगदान को सम्मानित करने का एक सामूहिक प्रयास है।मुख्यमंत्री आज यहां आकांक्षा हाट के शुभारम्भ कार्यक्रम के अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ने दो दिवसीय आकांक्षा हाट का शुभारम्भ किया और उत्तर प्रदेश की पहली डबल डेकर ई0वी0 बस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस वातानुकूलित नगर बस सेवा की प्रथम यात्रा आकांक्षा दीदियों और छात्राओं ने की। मुख्यमंत्री ने कहा कि आकांक्षा समिति के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश की पहली डबल डेकर ई0वी0 बस का आज शुभारम्भ हुआ है। उन्होंने घोषणा की कि डबल डेकर ई0वी0 बस में महिला यात्रियों को टिकट में 50 प्रतिशत की छूट और शनिवार को महिलाओं के लिए हैरिटेज टूर हेतु टिकट की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी। प्रदेश सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश में पब्लिक ट्रांसपोर्ट निरन्तर मजबूत हो रहा है। हिन्दुजा ग्रुप लखनऊ में इलेक्ट्रिक व्हिकल का एक प्लाण्ट स्थापित कर रहा है, जो बहुत शीघ्र प्रोडक्शन का कार्य प्रारम्भ कर देगा। इस प्लाण्ट के क्रियाशील होने से लोगों को रोजगार मिलेगा, ट्रांसपोर्ट की सुविधा में वृद्धि होगी तथा पर्यावरण को बचाने में भी मदद मिलेगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि आकांक्षा समिति की स्थापना वर्ष 1987 में की गयी थी। यह समिति विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित समुदायों की महिलाओं और बालिकाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। आकांक्षा समिति ने महिला स्वयं सहायता समूहों के साथ अनेक रचनात्मक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। इनमें आकांक्षा दीदी की शुरुआत एक प्रशंसनीय कदम है।मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूह महिला स्वावलम्बन का एक बेहतरीन उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं। बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर ग्रामीण महिला स्वयं सहायता समूह का बेहतरीन उदाहरण है। श्रीमती रचना पाल व उनकी सहयोगियों द्वारा बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर को सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।

कैशलेस इलाज कार्ड की खामियों को दूर करें सरकार – रूपेश

गोरखपुर। पंडित दीनदयाल उपाध्याय कर्मचारी कैशलेस इलाज में हो रही गड़बड़ी को लेकर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की एक बैठक डिप्लोमा इंजीनियरिंग संघ भवन में हुई जिसकी अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष रूपेश कुमार श्रीवास्तव और संचालन महामंत्री मदन मुरारी शुक्ल ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष रूपेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि वर्षों की मेहनत लगन और परिश्रम के बाद उत्तर प्रदेश सरकार की योगी सरकार ने कर्मचारियों को फ्री इलाज की सुविधा प्रदान कराई जो वास्तव में सराहनीय है, लेकिन सरकार के ही ब्यूरोक्रेट इस व्यवस्था की खामियों को दूर नहीं कर रहे हैं जिससे मरीजों को इलाज करने में बहुत ही परेशानी हो रही है। परिषद उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री से यह अनुरोध करता है कि दीनदयाल कैशलेस इलाज कार्ड जो आपका ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक है, इस पर आप स्वतरू संज्ञान लेकर ऐसी व्यवस्था बनवाइए जिससे कि किसी भी कर्मचारी को इलाज करने में कोई दिक्कत ना हो तथा ओपीडी भी कैशलेश इलाज में शामिल किया जाए। महामंत्री मदन मुरारी शुक्ला ने कहा कि कैशलेश इलाज में मरीज के भर्ती के समय इलाज करने वाले संस्था से अप्रूवल आने में काफी टाइम लगता है जिससे इलाज के अभाव में मरीज की जान जाने की संभावना रहती। है तथा मरीजों को इससे काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए शासन स्तर पर ऐसी व्यवस्था बनाई जाए की मरीज को उपचार तत्काल मिले तथा कागजी कार्रवाई बाद में पूरी होती रहे। संगठन के संरक्षक अशोक पांडे और वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंडित श्याम नारायण शुक्ला ने रिटायर्ड एनपीएस कर्मचारियों के इलाज का भी मामला उठाया जिसमें कहा गया कि जो कर्मचारी न्यू पेंशन स्कीम से रिटायर हो गए हैं उन्हें यह सुविधा मिल नहीं रही हैं सरकार एनपीएस से रिटायर कर्मचारियों को भी दीनदयाल कैशलेस इलाज कार्ड की सुविधा प्रदान करें।इस अवसर पर इंजीनियर राम समुझ इंजीनियर निधि त्रिपाठी अनूप कुमार रामधनी पासवान कृष्ण मोहन गुप्ता राजेश सिंह कनिष्क गुप्ता इजहार अली फुलई पासवान जामवंत पटेल विनीता सिंह तथा गो सेवक वरूण बैरागी सहित तमाम कर्मचारी नेता उपस्थित रहे।

बूथ के निरीक्षण में पहुंचे कमिश्नर व तहसीलदार ने स्कूल के बच्चों को पढ़ाया गणित का पाठ।

कूरेभार सुलतानपुर– कूरेभार विकास क्षेत्र के चिन्हित पांच बूथों का अपर आयुक्त प्रशासन व तहसीलदार जयसिंहपुर मयंक मिश्र द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षक के दौरान जब इरुल न्याय पंचायत के कंपोजिट विद्यालय इरुल पहुंचे।बच्चों को देख तहसीलदार व कमिश्नर अध्यापक की भूमिका में बच्चों से सवाल किया और गणित के कई सवाल हल कराए। कमिश्नर ने भी बच्चों से भिन्न के सवाल पूछे और ब्लैक बोर्ड पर गणित के भिन्न के सवाल को हल कर पढ़ाया। दोनों अधिकारी लगभग एक घंटे तक अध्यापक की भूमिका में नजर आये। मौके पर सुपर वाइजर (जिला अध्यक्ष लेखपाल संघ) राधेश्याम शुक्ल, एडीओ पंचायत प्रकाश कुमार मिश्र , बीएलओ बासदेव समेत शिक्षकगण मौजूद रहे।

सीडीओ ने गौशाला का किया आकस्मिक निरीक्षण, आगामी ठंड पर व्यवस्था का लिया जायजा।

सुलतानपुर – सीडीओ अंकुर कौशिक द्वारा वृहद गो–संरक्षण केन्द्र पदारथपुर (मसीरपुर) ब्लाक जयसिंहपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वहां रह रहे गोवंशों के लिए भूसा, चारा, पानी व शीतलहर से बचाव की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही मातहतों को निर्देश दिया कि आगामी शीत ऋतु के दृष्टिगत गोवंशो को ठंड से बचाव हेतु पूर्व से ही विशेष सतर्कता बरती जाए, इसमें कोई खामियां मिली तो जिम्मेदारों पर गाज गिरेगी। श्री कौशिक ने गौशाला का निरीक्षण करते हुए भूसा व पुआल के साथ हरे चारे की भी व्यवस्था देखी। शीतलहर से पशुओं को बचाने के लिए पूर्व से ही अच्छे तरीके से प्लास्टिक का तिरपाल व ठंड से बचाव के लिए जूट के बोरों की व्यवस्था करने का नियमानुसार निर्देश बीडीओ को दिया।

सिक्स लेन एक्सप्रेसवे पर सड़क दुर्घटना, महिला गंभीर रूप से घायल

बेलघाट गोरखपुर । गोरखपुर–आजमगढ़ सिक्स लेन एक्सप्रेसवे पर बेलघाट थाना क्षेत्र के ग्राम एकौना के पास एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार चार लोग हादसे का शिकार हो गए। इस दुर्घटना में एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है और उसे तत्काल जिला अस्पताल रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाइक पर सवार दो युवक नशे की हालत में थे और उनके साथ एक महिला और एक बच्चा भी मौजूद था। अचानक बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में युवक सूरज (27) और महिला सरिता (28) की पहचान हुई है।

मुरारी इंटर कालेज में हुआ यातायात सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन

सहजनवा गोरखपुर । सहजनवा कस्बा के मुरारी इंटर कालेज परिसर में यातायात सुरक्षा माह अभियान के तहत ट्रैफिक पुलिस ने यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के लिए जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस दौरान स्कूली छात्र–छात्राओं को यातायात के नियमों का पालन करने का संकल्प दिलाया गया । ट्रैफिक इंस्पेक्टर मनोज कुमार राय ने छात्रों को यातायात के नियम समझाते हुए बताया कि हम सड़क पर चलते समय बाईं ओर चलें और दाईं ओर से ओवरटेक करें । कार्यक्रम के दौरान बच्चों से पूछे गए सवालों का जवाब देने वाले बच्चों को चॉकलेट देकर उन्हें प्रोत्साहित किया गया ।इस अवसर पर विद्यालय के प्रवक्ता अनिल वर्मा, राजेश यादव, पदुम लाल मौर्या, ट्रैफिक मित्र संजय श्रीवास्तव सहित हजारों की संख्या में विद्यालय के बच्चे मौजूद थे ।

सोने का चौन बना हत्या का कारण दोस्त ने चौन के लिए दोस्त का किया हत्या

पुलिस ने मुड़भेड़ के दौरान आरोपित को किया गिरफ्तार

गोरखपुर ।महंगे शौक को पूरा करने के लिए हुमायूंपुर उत्तरी निवासी मोहम्मद सैफ पुत्र मोहम्मद रईस कातिल बन गया, उसने अपने दोस्त की धारदार हथियार से गला रेट कर हत्या कर दी और उसकी सोने की चौन लूट कर फरार हो गया था। मोहम्मद सैफ के ऊपर लाखों रुपए का कर्ज था कर्ज भरने के लिए उसने चिलुआताल थाना क्षेत्र के नकहा नंबर एक, यादव टोला निवासी कपड़ा व्यापारी अनिल गुप्ता की धारदार हथियार से 5 नवंबर को हत्या कर दी और उसकी चौन लूट कर फरार हो गया था। घटना का खुलासा करते हुए पुलिस लाइन के व्हाइट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर व एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी मोहम्मद सैफ को पकड़ने के लिए पुलिस ने 100 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज और 200 मोबाइल नंबर को ट्रेस किया करने के बाद इस नतीजे पर पहुंचा की किसी करीबी ने ही अनिल गुप्ता की हत्या की है और आज सुबह पुलिस मुठभेड़ के दौरान आरोपी मोहम्मद सैफ को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि मोहम्मद सैफ एक मोबाइल कंपनी में प्रमोटर के रूप में काम करता था उसे पर लाखों रुपए का कर्ज था उसकी दुकान के ही बगल में मृतक की गारमेंट की दुकान थी अभियुक्त की मृतक से जान पहचान हुई थी अभियुक्त ने मृतक के गले में सोने की चौन देखी थी, कर्जदारों से परेशान होकर अभियुक्त ने मृतक से सोने की चेन छीनकर कर कर्ज चुकाने की योजना बनाई और 5 नवंबर को पार्टी देने के बहाने मृतक को मिलने के लिए बुलाया लौटते समय मृतक के घर के समीप चाकू से गला रेत कर उसकी हत्या कर दी और उसकी सोने की चौन लेकर फरार हो गया पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है आरोपी के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने आरोपी के पास के घटना में प्रयुक्त चाकू ,मोटरसाइकिल, सोने की चौन ,मोबाइल तमंचा कारतूस भी बरामद किया गया है। एसएसपी ने गिरफ्तार करने वाली टीम को घ5000 इनाम देने की घोषणा की है। गिरफ्तार करने वाली टीम में चिलुआताल थाना प्रभारी अतुल कुमार श्रीवास्तव एसओजी प्रभारी मनीष कुमार यादव उप निरीक्षक धर्मवीर सिंह उपनिरीक्षक अमित चौधरी हेड कांस्टेबल राम इकबाल हेड कांस्टेबल अरुण पवार समेत अन्य पुलिसकर्मी शामिल है ।

योगी सरकार द्वारा सरकारी प्राथमिक विद्यालयों को बन्द करना गलत – विजय कुमार श्रीवास्तव

सहजनवा गोरखपुर । आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष विजय कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में गोरखपुर जिले के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों ने योगी सरकार द्वारा लगभग 27000 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के बन्द करने के निर्णय के खिलाफ गोरखपुर जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारी के अनुपस्थिति में सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंप कर कड़ा विरोध दर्ज कराया।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा सरकारी स्कूलों को लेकर हाल ही में मीडिया में आई खबरों के अनुसार 27,000 सरकारी स्कूलों को बंद करने की योजना बनाई गई है। यह प्रदेश सरकार द्वारा 2020 तक बंद किए गए 26,000 स्कूलों के बाद अब एक नया कदम है। सरकारी स्कूलों को बंद करने का आदेश न केवल सरकार की नीतियों को संदिग्ध बनाता है बल्कि यह सीधे तौर पर गरीब, दलित और पिछड़े वर्ग के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। प्रदेश की योगी आदित्यनाथ जी की सरकार द्वारा जानबूझकर सरकारी विद्यालयों के पास निजी विद्यालयों को मान्यता देने और उन्हें खोलने की नीति अपनाई जा रही है, ताकि सरकारी विद्यालयों में छात्र की संख्या कम हो सके और उन्हें बंद करने का रास्ता तैयार हो। यह एक सुनियोजित साजिश प्रतीत हो रही है, जिसके अंतर्गत सरकारी विद्यालयों के पास निजी विद्यालयों की अनुमति दी जा रही है, जबकि नियमानुसार 1 किलोमीटर की परिधि में ऐसे विद्यालयों को मान्यता नहीं दी जा सकती।आम आदमी पार्टी मांग करती है कि हर जनपद के हर ब्लॉक में ऐसे विद्यालयों को चिन्हित कर कार्यवाही की जाए, जो सरकारी विद्यालयों के पास स्थित हैं और अवैध रूप से खोले गए हैं। यह एक गंभीर मामला है, क्योंकि इन निजी विद्यालयों की अनुमति देने से सरकारी विद्यालयों में छात्रों की संख्या घटती है और उनका अस्तित्व संकट में आ जाता है। 27,000 सरकारी विद्यालयों को बंद करने का आदेश गलत है इससे न केवल छात्रों की शिक्षा पर प्रतिकूल असर पड़ेगा, बल्कि इससे कई योग्य शिक्षक बेरोजगार हो जाएंगे, जो पहले से राज्य सरकार की शिक्षक पात्रता परीक्षा (ज्म्ज्) पास कर चुके हैं और उन्हें रोजगार का अवसर मिल चुका है। इस कदम से सरकारी शिक्षा का ढांचा कमजोर होने के साथ साथ सामाजिक असमानता और आर्थिक विषमताओं को बढ़ावा मिलेगा। आम आदमी पार्टी आपसे मांग करती हैं कि इस मामले को संज्ञान लेकर सरकार की शिक्षा विरोधी नीतियों पर तुरंत रोका लगाई जाए। और सरकारी विद्यालयों को बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके और शिक्षकों का भविष्य सुरक्षित रहे।आज के कार्यक्रम में श्रम प्रकोष्ठ के हरेंद्र यादव, शिक्षा प्रकोष्ठ के अमिताभ जायसवाल, अरुण श्रीवास्तव, फजील अहमद, अविनाश प्रजापति एडवोकेट, कलीम हिंदुस्तानी, दिलीप मौर्या आशीष कुशवाहा, रितु सागर धनन्जय श्रीवास्तव, अनिरुद्ध यादव, मीडिया प्रभारी नरेंद्र ध ाारिया सुभाष चंद्र मौर्या सहित तमाम कार्यकर्ता एवम पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव मकसूद आलम एडवोकेट ने किया।

बी.आई.टी के छात्रों से उद्योगपतियों ने साझा किए अपने अनुभव

सहजनवा गोरखपुर । बुद्धा इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट गोरखपुर द्वारा व्यावसायिक सेमिनार का आयोजन किया गया सेमिनार के मुख्य अतिथि सहायक आयुक्त उद्योग महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र रवि कुमार शर्मा व विशिष्ट अतिथि दीपक कारीवाल अध्यक्ष लघु उद्योग भारती गोरखपुर एव संस्थान के सचिव डॉ रजत अग्रवाल द्वारा सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।सेमिनार को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि व्यावसायिक शिक्षा के साथ–साथ सफल उद्योगपति व व्यक्ति के अनुभव को सदैव आत्मसत करना चाहिए क्योंकि उनके अनुभव से आप वह सब कुछ सीखेंगे जो उन्हें सफल बनाने के लिए महत्वपूर्ण पूर्ण भूमिका का निर्वाह किया है सफलता और असफलता एक सिक्के के दो पहलु होते हैं एक कुशल और अनुभव व्यक्ति के साथ बिताया गया समय किसी पुस्तकालय से कम नहीं होता कार्यक्रम के वशिष्ठ विशिष्ट अतिथि दीपक करिवाल ने कहा कि जीवन में संघर्ष से ही स्थिर मंजिल प्राप्त की जा सकती है आपके द्वारा किया गया आज का संघर्ष आपके सुनहरे भविष्य का निर्माण करेगा। कार्यक्रम के अध्यक्ष कर रहे डॉक्टर रजत अग्रवाल ने कहा सेमिनार को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य छात्रों को महात्वपूर्ण बातो व बारीकियां से परिचित कराया जाए जो उन्हें सफल बनने में मदद प्रदान कर सके।संस्थान के निदेशक डॉक्टर अभिषेक त्रिपाठी ने सेमिनार में आये सभी गोरखपुर के उद्योगपति बैंक, बीमा के अधिकारी चार्टेड अकाउंटेंट सहित गणमान्य जनो का स्वागत, अभिनन्दन किया। सेमिनार में निदेशक प्रशसन दीपक अग्रवाल, सी टी ओ प्रोफेसर एन गुरुप्रसाद, संतोष त्रिपाठी, डॉ आशीष कुमार सिंह, अतुल श्रीवास्तव, दीपिका सेठ, पिंकी पांडे, रामारमण, अभिनव त्रिपाठी, अमितेश,पीयूष अंकिता सहित गोरखपुर के प्रतिष्ठित व्यवसाई, छात्र, कर्मचारी सेमिनार में उपस्थित रहे।

डी0ए0पी0 के मुकाबले एन0पी0के0 का प्रयोग सस्ता और लाभप्रद– रितेश श्रीवास्तव

सहजनवां गोरखपुर । संत कबीर नगर– खरीफ फसलो की कटाई अपने चरम पर है। मण्डल में खरीफ फसलों की कटाई उपरान्त रबी सत्र की बुवाई प्रारम्भ हो गयी है, माह नवम्बर में रबी फसलों की बुवाई के दृष्टिगत उर्वरक डी0ए0पी0 व अन्य फास्फेटिक

उर्वरको की मॉग कृषको में अधिक रहती है। उक्त जानकारी देते हुए सचिव शिशिर श्रीवास्तव ने बताया कि किसान डी0ए0पी0 का प्रयोग काफी समय से करते आ रहे है।

सम्पादकीय...

बीमार समाज और खराब वातावरण

दिल्ली की वायु गुणवत्ता सूचकांक में लगातार गिरावट जारी है। जो पांच सौ के पार जा चुकी है। वायु प्रदूषण के इस स्तर को खतरनाक से भी खतरनाक वाले स्तर पर बताया जा रहा है।आंकड़ों के अनुसार राजधानी के आसमान पर धूल की मोटी परत छाई हुई है। दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का पीएम 2.5 बाताया गया, जो वि स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सीमा से पैंसठ गुना अधिक खतरनाक पाया गया। इस गंभीरता को इससे समझा जा सकता है कि शून्य से पचास को अच्छा व 51 से सौ को संतोषजनक माना जाता है। जो बढ़ते–बढ़ते 401–450 के बीच गंभीर व 451 से ऊपर बेहद गंभीर माना जाता है।

खबरें हैं कि उन्हें सन संबंधी समस्याओं के अलावा खांसी जैसी समस्याएं आम हैं। गले में खुश्की और खराश की शिकायतें भी खूब की जा रही हैं। दिवाली में जलाए गए पटाखों से उठा धुंआ भी इस अचानक खतरनाक हुई हवा का कारण बताया जा रहा है। पटाखों को प्रतिबंधित करने तथा लगातार जागरूकता फैलाने के बावजूद कोई खास असर होता नहीं नजर आ रहा। सारा दोष आतिशबाजी को देना उचित नहीं है क्योंकि दिवाली के साथ ही हवा की मंद पड़ती गति व लगातार स्मॉग बने रहने के चलते भी वायु प्रदूषण जानलेवा बन गया।दिल्ली–एनसीआर का यह इलाका प्रतिवर्ष इसी मौसम में देश भर में सबसे प्रदूषित के दायरे में आ जाता है। कहा जाता है कि इसके कारणों में वाहनों की हिस्सेदारी 16त्न से अधिक होती है। परंतु पराली के धुएं की भागीदारी बढ़कर 35त्न तक बढ़ गई थी। हरियाणा, पंजाब व उप्र से आने वाली हवाओं को इसका दोषी ठहराया जाता है। जब तक यह स्तर खतरनाक बताया जाता है, दोषारोपण भी उसी गति से बढ़ता रहता है। हवा की गुणवत्ता को सुधारने के प्रति न तो ठोस कदम उठाए जाते हैं, न ही इन चेतावनियों को गंभीरतापूर्वक लिया जाता है। वायु प्रदूषण के चलते इन इलाकों के आधे से अधिक बाशिंदों को विभिन्न स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें तो हैं ही। ढेरों लोग बेमौत मारे भी जाते हैं। विचारणीय है कि देश के 72 देशों में वायु गुणवत्ता खराब के दायरे में आने के कारणों की पड़ताल होनी चाहिए। हम अपनी आने वाली नस्लों को बीमार समाज और खराब वातावरण देकर किसी का भला नहीं कर रहे। हम इस गंभीरता पर समय रहते चेते नहीं इसलिए आज इस खतरनाक स्तर को झेलने को मजबूर हैं।

भारत में विकास का अध्याय आगे बढ़ता जाएगा

हाल में लाओस के वियनतियाने में आयोजित आसियान–भारत शिखर सम्मेलन में आसियान देशों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बैठक के बाद जो बयान जारी किया है, उसके मुताबिक ये देश इस समूचे क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता से असहज और परेशान हैं तथा भारत के साथ आर्थिक, कारोबारी और सुरक्षा संबंधों का नया दौर आगे बढ़ाएंगे।इसी तरह हाल में वर्ल्ड बैंक द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट अक्टूबर, 2024 में कहा गया है कि वैंकि चुनौतियों के बीच चीन के प्रोत्साहन उपायों के बावजूद चीन की अर्थव्यवस्था सुस्त होगी और भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।वर्ष 2024 में चीन की विकास दर घट कर 4.0 फीसद होगी जबकि भारत की विकास दर 6.3 फीसद से अधिक रहेगी। वस्तुतरू भारत के पास उपभोक्ताओं का उभरता हुआ विशाल बाजार, युवाओं में जबरदस्त ढंग से आगे बढने की ललक, उद्यमिता की भावना और सुधार का रवैया वैंकि संघर्ष और चुनौतियों के बावजूद भारत के लिए नये अवसरों का आधार है। गौरतलब है कि विगत 4 अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी ने तीसरे कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि रूस–यूक्रेन और इस्त्रइल–ईरान युद्ध की अनिश्चितता के बीच भी दुनिया का भारत पर असाधारण आर्थिक विश्वास बना हुआ है। मोदी ने कहा कि दुनिया की नजरों में यह युग भारत का युग है। भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

दुनिया में भारत ग्लोबल फिनटेक एडॉप्शन के मामले में पहले क्रम पर है। इंटरनेट उपभोक्ताओं के मामले में दूसरे क्रम पर है। स्टार्टअप के मामले में तीसरे क्रम पर है, और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के मामले में चौथे क्रम पर है। इतना ही नहीं, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और मूडीज्य जैसी वैंकि एजेंसियां भी वैंकि आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारत को दुनिया की सबसे विसनीय और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ–साथ निवेश के पसंदीदा देश के रूप में देख रही हैं। यद्यपि इस समय पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और रूस–यूक्रेन युद्ध के विस्तारित होने के कारण वैंकि अर्थव्यवस्था में गिरावट का दौर बढ़ रहा है,

भारत के रतन का जाना...

रतन टाटा जी, भारतीय उद्यमशीलता की बेहतरीन परंपराओं के प्रतीक थे। वो विश्वसनीयता, उत्कृष्टता और बेहतरीन सेवा जैसे मूल्यों के अडिग प्रतिनिधि थे। उनके नेतृत्व में, टाटा समूह दुनिया भर में सम्मान, ईमानदारी और विश्वसनीयता का प्रतीक बनकर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा।आज श्री रतन टाटा जी के निधन को एक महीना हो रहा है। पिछले महीने आज के ही दिन जब मुझे उनके गुजरने की खबर मिली, तो मैं उस समय आसियान समिट के लिए निकलने की तैयारी में था। रतन टाटा जी के हमसे दूर चले जाने की वेदना अब भी मन में है। इस पीड़ा को भुला पाना आसान नहीं है। रतन टाटा जी के तौर पर भारत ने अपने एक महान सपूत को खो दिया है...एक अमूल्य रत्न को खो दिया है।आज भी शहरों, कस्बों से लेकर गांवों तक, लोग उनकी कमी को गहराई से महसूस कर रहे हैं। हम सबका ये दुख साझा है। चाहे कोई उद्योगपति हो, उभरता हुआ उद्यमी हो या कोई प्रोफेशनल हो, हर किसी को उनके निधन से दुख हुआ है। पर्यावरण रक्षा से जुड़े लोग...समाज सेवा से जुड़े लोग भी उनके निधन से उतने ही दुखी हैं। और ये दुख हम सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया भर में महसूस कर रहे हैं।युवाओं के लिए, श्री रतन टाटा एक प्रेरणास्रोत थे। उनका जीवन, उनका व्यक्तित्व हमें याद दिलाता है कि कोई सपना ऐसा नहीं जिसे पूरा ना किया जा सके, कोई लक्ष्य ऐसा नहीं जिसे प्राप्त नहीं किया जा सके। रतन टाटा जी ने सबको सिखाया है कि विनम्र स्वभाव के साथ, दूसरों की मदद करते हुए भी सफलता पाई जा सकती है।रतन टाटा जी, भारतीय उद्यमशीलता की बेहतरीन परंपराओं के प्रतीक थे। वो विश्वसनीयता, उत्कृष्टता और बेहतरीन सेवा जैसे मूल्यों के अडिग प्रतिनिधि थे। उनके नेतृत्व में, टाटा समूह दुनिया भर में सम्मान, ईमानदारी और विश्वसनीयता का प्रतीक बनकर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा। इसके बावजूद, उन्होंने अपनी उपलब्धियों को पूरी विनम्रता और सहजता के साथ स्वीकार किया।दूसरों के सपनों का खुलकर समर्थन करना, दूसरों के सपने पूरा करने में सहयोग करना, ये श्री रतन टाटा के सबसे शानदार गुणों में से एक था। हाल के वर्षों में, वो भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम का मार्गदर्शन करने और भविष्य की संभावनाओं से भरे उद्यमों में निवेश करने के लिए जाने गए। उन्होंने युवा आंत्रप्रेन्योर की आशाओं और आकांक्षाओं को समझा, साथ ही भारत के भविष्य को आकार देने की उनकी क्षमता को पहचाना।भारत के युवाओं के प्रयासों का समर्थन करके, उन्होंने नए सपने देखने वाली नई पीढ़ी को जोखिम लेने और सीमाओं से परे जाने का हौसला दिया। उनके इस कदम ने भारत में इनोवेशन और आंत्रप्रेन्योरशिप की संस्कृति विकसित करने में बड़ी मदद की है। आने वाले दशकों में हम भारत पर इसका सकारात्मक प्रभाव जरूर देखेंगे। रतन टाटा जी ने हमेशा बेहतरीन क्वालिटी के प्रॉडक्ट...बेहतरीन क्वालिटी की सर्विस पर जोर दिया और भारतीय उद्यमों को ग्लोबल बेंचमार्क स्थापित करने का रास्ता दिखाया। आज जब भारत 2047 तक विकसित होने के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, तो हम ग्लोबल बेंचमार्क स्थापित करते हुए ही दुनिया में अपना परचम लहरा सकते हैं। मुझे आशा है कि उनका ये विजन हमारे देश की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करेगा और भारत वर्ल्ड क्लास क्वालिटी के लिए अपनी पहचान मजबूत करेगा।रतन टाटा जी की महानता बोर्डरूम या सहयोगियों की मदद करने तक ही सीमित नहीं थी। सभी जीव–जंतुओं के प्रति उनके मन में करुणा थी। जानवरों के प्रति उनका गहरा प्रेम जगजाहिर था और वे पशुओं के कल्याण पर केन्द्रित हर प्रयास को बढ़ावा देते थे। वो अक्सर अपने डॉग्स की तस्वीरें साझा करते थे, जो उनके जीवन का अभिन्न हिस्सा थे। मुझे याद है, जब रतन टाटा जी को लोग आखिरी विदाई देने के लिए उमड़ रहे थे...तो उनका डॉग 'गोवा' भी वहां नम आंखों के साथ पहुंचा था।रतन टाटा जी का जीवन इस बात की याद दिलाता है कि लीडरशिप का आकलन केवल उपलब्धियों से ही नहीं किया जाता है, बल्कि सबसे कमजोर लोगों की देखभाल करने की उसकी क्षमता से भी किया जाता है।रतन टाटा जी ने हमेशा, नेशन फर्स्ट की भावना को सर्वोपरि रखा। 26ध्11 के आतंकवादी हमलों के बाद उनके द्वारा मुंबई के प्रतिष्ठित ताज होटल को पूरी तत्परता के साथ फिर से खोलना, इस राष्ट्र के एकजुट होकर उठ खड़े होने का प्रतीक था। उनके इस कदम ने बड़ा संदेश दिया कि दृ भारत रुकेगा नहीं... भारत निडर है और आतंकवाद के सामने झुकने से इनकार करता है।व्यक्तिगत तौर पर, मुझे पिछले कुछ दशकों में उन्हें बेहद करीब से जानने का सौभाग्य मिला। हमने गुजरात में साथ मिलकर काम किया। वहां उनकी कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर निवेश किया गया। इनमें कई ऐसी परियोजनाएं भी शामिल थीं, जिसे लेकर वे बेहद भावुक थे।जब मैं केन्द्र सरकार में आया, तो हमारी घनिष्ठ बातचीत जारी रही और वो हमारे राष्ट्र–निर्माण के प्रयासों में एक प्रतिबद्ध भागीदार बने रहे। स्वच्छ भारत मिशन के प्रति श्री रतन टाटा का उत्साह विशेष रूप से मेरे दिल को छू गया था। वह इस जन आंदोलन के मुखर समर्थक थे। वह इस बात को समझते थे कि स्वच्छता और स्वस्थ आदतें भारत की प्रगति की दृष्टि से कितनी महत्वपूर्ण हैं। अक्टूबर की शुरुआत में स्वच्छ भारत मिशन की दसवीं वर्षगांठ के लिए उनका वीडियो संदेश मुझे अभी भी याद है। यह वीडियो संदेश एक तरह से उनकी अंतिम सार्वजनिक उपस्थितियों में से एक रहा है।कैंसर के खिलाफ लड़ाई एक और ऐसा लक्ष्य था, जो उनके दिल के करीब था। मुझे दो साल पहले असम का वो कार्यक्रम याद आता है, जहां हमने संयुक्त रूप से राज्य में विभिन्न कैंसर अस्पतालों का उद्घाटन किया था। उस अवसर पर अपने संबोधन में, उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि वो अपने जीवन के आखिरी वर्षों को हेल्थ सेक्टर को समर्पित करना चाहते हैं। स्वास्थ्य सेवा एवं कैंसर संबंधी देखभाल को सुलभ और किफायती बनाने के उनके प्रयास इस बात के प्रमाण हैं कि वो बीमारियों से जूझ रहे लोगों के प्रति कितनी गहरी संवेदना रखते थे। मैं रतन टाटा जी को एक विद्वान व्यक्ति के रूप में भी याद करता हूं – वह अक्सर मुझे विभिन्न मुद्दों पर लिखा करते थे, चाहे वह शासन से जुड़े मामले हों, किसी काम की सराहना करना हो या फिर चुनाव में जीत के बाद बधाई सन्देश भेजना हो।अभी कुछ सप्ताह पहले, मैं स्पेन सरकार के राष्ट्रपति श्री पेड्रो सान्चेज के साथ वडोदरा में था और हमने संयुक्त रूप से एक विमान फैक्ट्री का उद्घाटन किया। इस फैक्ट्री में सी–295 विमान भारत में बनाए जाएंगे। श्री रतन टाटा ने ही इस पर काम शुरू किया था। उस समय मुझे श्री रतन टाटा की बहुत कमी महसूस हुई। आज जब हम उन्हें याद कर रहे हैं, तो हमें उस समाज को भी याद रखना है जिसकी उन्होंने कल्पना की थी। जहां व्यापार, अच्छे कार्यों के लिए एक शक्ति के रूप में काम करे, जहां प्रत्येक व्यक्ति की क्षमता को महत्व दिया जाए और जहां प्रगति का आकलन सभी के कल्याण और खुशी के आधार पर किया जाए। रतन टाटा जी आज भी उन जिंदगियों और सपनों में जीवित हैं, जिन्हें उन्होंने सहारा दिया और जिनके सपनों को साकार किया। भारत को एक बेहतर, सहृदय और उम्मीदों से भरी भूमि बनाने के लिए आने वाली पीढ़ियां उनकी सदैव आभारी रहेंगी।

राष्ट्र के सुरक्षित डिजिटल भविष्य की दिशा में कदम

0–तकनीकी प्रगति के साथ पैदा होने वाले खतरों से नागरिकों को बचाने के लिए एक सुदृढ़ साइबर व्यवस्था से लैस भारत का निर्माण करना होगा

भारत में, दूरसंचार की उपयोगिता लोगों को जोड़ने से कहीं बढ़कर है। यह एक ऐसा महत्वपूर्ण उपकरण भी है, जो विकास के हाशिए पर रहने वाले लोगों के उत्थान का काम करता है। पिछले एक दशक में, देश में डिजिटल कनेक्टिविटी के क्षेत्र में भारी विकास हुआ है। दुनिया में सबसे सस्ते डेटा दरों के साथ, भारत में अब 954.40 मिलियन से अधिक इंटरनेट ग्राहक हैं। इनमें से 398.35 मिलियन इंटरनेट ग्राहक ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। पिछले एक दशक में, ब्रॉडबैंड कनेक्शन 64 मिलियन से बढ़कर 924 मिलियन हो गए हैं। इस व्यापक कनेक्टिविटी ने एक डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया है, जो आज हमारे कुल आर्थिक परिदृश्य में 10 प्रतिशत का योगदान देता है। वर्ष 2026 तक इस योगदान के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के पांचवें हिस्से या 20 प्रतिशत तक पहुंच जाने का अनुमान है। बैंकिंग सेवाएं, केवाईसी सत्यापन, डिजिटल भुगतान और मोबाइल–आधारित प्रमाणीकरण भारत की डिजिटल क्रांति की रीढ़ रहे हैं, जिससे जन धन, आधार, मोबाइल (जेएएम) की तिहरी सेवाओं को फलने–फूलने में मदद मिली है। अकेले अक्टूबर 2024 में, देश में आधार समर्थ भुगतान प्रणाली के माध्यम से 126 मिलियन डिजिटल लेनदेन दर्ज किए गए।हालांकि, यह डिजिटल क्रांति विकट चुनौतियां भी प्रस्तुत कर रही है। विशेष रूप से, तकनीकी प्रगति के साथ पैदा होने वाले खतरों से हमारे नागरिकों की सुरक्षा की चुनौती। हमारे हाथ में रखे जाने वाले सुविधा के ये उपकरण स्पैम कॉल, घोटाले वाले संदेश, टेलीमार्केटिंग के अनुचित कॉल, फिशिंग घोटाले, नकली निवेश एवं ऋण के अवसरों जैसे साइबर अपराधों के जाल से भी घिरे हैं।एक विशेष चुनौती सामने आई हैरू षडिजिटल अरेस्ट्ष के घोटाले आज चिंताजनक दर से बढ़ रहे हैं। इसकी कार्यप्रणाली के तहत दृ अपराधी सरकारी अधिकारियों के रूप में निर्दोष व्यक्तियों को डराने और जबरन वसूली का कार्य करते हैं। महज वित्तीय नुकसान से परे, ये दुर्भावनापूर्ण कार्यप्रणालियां आजीविका को बाधित करती हैं, विश्वास को खत्म करती हैं और उस आत्मविश्वास को कमजोर करती हैं जो नागरिकों में डिजिटल अर्थव्यवस्था में पूरी तरह से शामिल होने के लिए आवश्यक है। हालांकि, इन उभरते खतरों के विरुद्ध त्वरित प्रतिक्रिया करते हुए हमारे अधिकारियों ने पूरी तत्परता दिखाई है। उन्होंने फर्जी तरीकों से हासिल किए गए मोबाइल कनेक्शनों को काट दिया है और 7.6 लाख शिकायतों के माध्यम से 2,400 करोड़ रूपये से अधिक की राशि की हानि को बचाया। यह महज आंकड़ों को ही नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा और सपनों की सुरक्षा को भी दर्शाता है।अब जबकि हम डिजिटल स्पेस की रक्षा के लिए अपनी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं, हमारे नागरिकों के सहयोग के बिना यह एक निरर्थक कवायद साबित होगी। प्रधानमंत्री (पीएम) नरेन्द्र मोदी का हाल ही में नागरिकों से रुको, सोचो और एक्शन लो का आह्वान इंटरनेट की छाया में बढ़ते खतरों को रेखांकित करते हुए

फिल्मी दुनिया/सेहत

गेम चेंजर के टीजर का इंतजार हो रहा खत्म, राम चरण जल्द देगें फैंस को तोहफा, कियारा आडवाणी का आया मरमेड लुक

राम चरण और कियारा आडवाणी अपनी की आगामी फिल्म गेम चेंजर की रिलीज की तैयारी में जुट गए है. हाल ही में कियारा आडवाणी ने गेम चेंजर के टीजर की तारीख का खुलासा किया है. एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत अवतार में अपनी तस्वीरें पोस्ट की है और फिल्म के टीजर डेट से पर्दा उठाया है.कियारा आडवाणी अपनी अपकमिंग साउथ मूवी गेम चेंजर के लिए काफी एक्साइटेड हैं. फिल्म में वे एक बार फिर आरआरआर सुपरस्टार राम चरण के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती दिखेंगी. कियारा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर गेम चेंजर के टीजर के बारे में अपडेट दिया है. उन्होंने इसे अपनी लेटेस्ट तस्वीरों के साथ जोड़ा है.कियारा ने पोस्ट में टीजर के बारे में अपडेट देते हुए लिखा है, आगे क्या होने वाला है, यह देखने के लिए स्वाइप करें. गेम चेंजर टीजर कल (9 नवंबर) आएगा. तस्वीरों की बात करें तो ऑल स्काई ब्लू लुक में पानी के बीच बैठी कियारा किसी मरमेड से कम नहीं लग रही है. पहली तस्वीर में वह हाथ में मोबाइल पकड़े खुले आसमान और पानी के बीच चेयर पर बैठे कैमरे के लिए पोज देती दिख रही हैं. वहीं, दूसरे तस्वीर में वह कातिलाना अदाओं के साथ पोज देती नजर आईं. गेम चेंजर का टीजर आज 9 नवंबर को

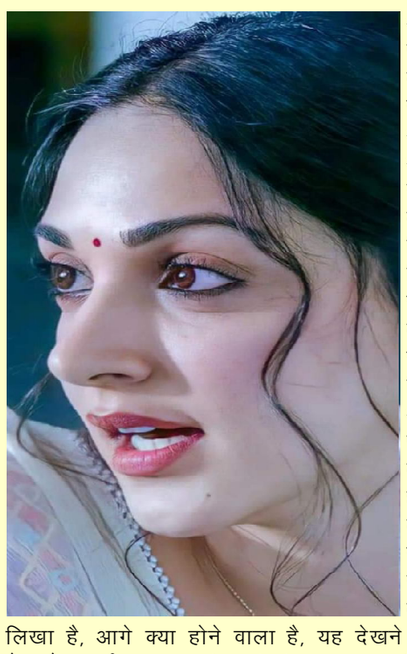

पुष्पा 2 का ट्रेलर हो रहा लोड, फिल्म से आया अल्लू अर्जुन–फहाद फासिल का धांसू पोस्टर

अल्लू अर्जुन की मोस्ट अवेटेड फिल्म पुष्पा 2 एक महीने बाद 5 दिसंबर को रिलीज होने जा रही है. फैंस को पुष्पा 2 का बेसब्री से इंतजार है, इसी बीच मेकर्स भी इस फैस की एक्साइटमेंट को बरकरार रखना चाहते हैं. वे एक के बाद एक अपडेट फिल्म से शेयर कर रहे हैं हाल ही में मेकर्स ने एक धांसू पोस्टर शेयर किया है. जिसमें फिल्म के हीरो अल्लू अर्जुन और विलेन फहद फासिल नजर आ रहे हैं. इस पोस्टर के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा– पुष्पा द रूल के लिए एक महीना बाकी है. खुद को तैयार रखें दृ साल की सबसे बड़ी भारतीय फिल्म एक महीने में सिनेमाघरों में धमाका करने के लिए तैयार है. ट्रेलर जल्द ही धमाका करेगा.

पुष्पा 2 से नया पोस्टर रिलीज करते हुए मेकर्स ने अनाउंस किया कि जल्द ही फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया जाएगा. रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फिल्म की टीम नवंबर में शुरू होने वाले 6 शहरों के बड़े दौरे के लिए पूरी तरह तैयार है. अल्लू अर्जुन 15 नवंबर से पटना, कोच्चि, चौन्नई, बेंगलुरु, मुंबई और हैदराबाद का दौरा करेंगे. इन 6 शहरों का दौरा 15 नवंबर के आसपास एक मेगा ट्रेलर लॉन्च इवेंट के साथ शुरू होगा. अगर सबकुछ प्लान के मुताबिक रहा तो ट्रेलर लॉन्च इवेंट पटना में होगा.देखा जाए तो बाहुबली 2 के बाद पुष्पा 2 भारतीय सिनेमा का सबसे चर्चित सीक्वल है, और उम्मीद है कि फिल्म कमाई में भी रिकॉर्ड तोड़ेगी. अगर आने वाले 30 दिनों में सब कुछ ठीक रहा, तो पुष्पा 2 अब तक की सबसे बड़ी ओपनर के साथ–साथ भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनकर हिंदी में नई ऊंचाइयां छू सकती है. फिलहाल दर्शक ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार हैं. बता दें पहले पुष्पा 6 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब यह 5 दिसंबर को सिनेमा घरों में धमाका करने के लिए तैयार है.दिवाली के मौके पर सुपरस्टार अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना ने अपने नए पुष्पा 2रू द रूल पोस्टर के साथ आतिशबाजी शुरू कर दी है, जिसे फैंस के साथ दिवाली मनाने के लिए शेयर किया गया है. पोस्टर में

फिट रखने में सहायक है लेटरल बैंड वाक, जानिए इससे जुड़ी महत्वपूर्ण बातें

लेटरल बैंड वॉक एक अहम एक्सरसाइज है, जो कूल्हों की स्थिरता और ताकत को बढ़ाने में मदद करता है।यह एक्सरसाइज खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो दौड़ते, खेलते या काम के कारण लंबे समय तक खड़े रहते हैं।इस लेख में हम लेटरल बैंड वॉक के अलग–अलग पहलुओं पर चर्चा करेंगे और जानेंगे कि इसे कैसे सही तरीके से किया जा सकता है और इसे करते समय क्या–क्या सावधानी बरतनी चाहिए।लेटरल बैंड वॉक का महत्वलेटरल बैंड वॉक कूल्हों की मांसपेशियों को मजबूत करने का एक बेहतरीन तरीका है।यह ग्लूटस मेडियस और मिनिमस मांसपेशियों को सक्रिय करता है, जो कूल्हों की स्थिरता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं।इसके नियमित अभ्यास से न केवल चोट लगने का खतरा कम होता है बल्कि शरीर का संतुलन भी बेहतर होता है और चलने–फिरने में आसानी होती है।यह एक्सरसाइज खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो दौड़ते हैं या खेल खेलते हैं।लेटरल बैंड वॉक करने का तरीकालेटरल बैंड वॉक करते समय सही तकनीक अपनाना बहुत जरूरी है।सबसे पहले अपने पैरों के चारों ओर एक रेजिस्टेंस बैंड बांधें और घुटनों को हल्का मोड़ें, फिर धीरे–धीरे एक पैर को साइड में उठाएं और दूसरे पैर को उसके पास लाएं। इस प्रक्रिया को दूसरी दिशा में दोहराएं।ध्यान रखें कि आपकी पीठ सीधी होनी चाहिए और पेट अंदर खींचा हुआ होना चाहिए।

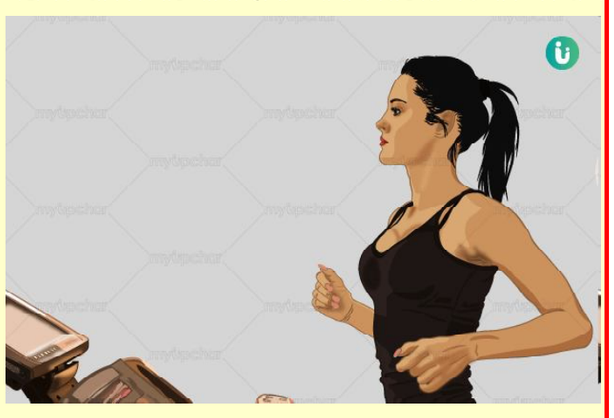

नियमित अभ्यास करें

लेटरल बैंड वॉक का अधिकतम लाभ पाने के लिए इसे नियमित रूप से करना जरूरी है। सप्ताह में कम से कम तीन बार इस एक्सरसाइज का अभ्यास करें।हर सेट में 10–15 कदम लें और धीरे–धीरे इसकी संख्या बढ़ाते जाएं। शुरुआत में हल्के रेजिस्टेंस वाले बैंड का उपयोग करें ताकि आप आसानी से इसे कर सकें।सही तकनीक अपनाना भी जरूरी है ताकि आपको इसका पूरा लाभ मिल सके और किसी प्रकार की चोट से बचा जा सके। अन्य एक्सरसाइज के साथ संयोजनलेटरल बैंड वॉक को अन्य एक्सरसाइज के साथ मिलाकर करने से इसका प्रभाव बढ़ जाता है।स्क्वाट्स, लंजेस और ग्लूट ब्रिज जैसी एक्सरसाइज भी कूल्हों की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।इन सभी एक्सरसाइज का संयोजन आपके फिटनेस स्तर को बेहतर बनाएगा और आपकी कूल्हों की स्थिरता को और भी बढ़ाएगा।नियमित अभ्यास से न केवल आपकी ताकत बढ़ेगी

श्रीमद्भागवत कथा के लिए निकाली गई भव्य कलश यात्रा

कैम्पियरगंज गोरखपुर। क्षेत्र के सोनौरा बुजुर्ग में नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के लिए गाजे–बाजे व डीजे के साथ भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु पीला वस्त्र पहनकर एवं सिर पर कलश रखकर भाग लिया। इसके पहले कथा स्थल पर पं.अमरनाथ मिश्र ने हवन पूजन कराया। पूजा–अर्चना के बाद गांव की परिक्रमा कर कलश यात्रा करमैनीघाट राप्ती नदी के तट पर पहुंची। जहां मां गंगा की आरती उतारकर विधि विधान से कलश में जल भरकर कलश यात्रा पुनः कथा स्थल पहुंची। जहां कलश स्थापना के साथ श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ। कथा वाचक पं. विश्वेश मणि उपाध्याय पंकज बाबा ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा ऐसी कथा है जो जीवन के उद्देश्य और दिशा को दर्शाती है, इसे सुनने मात्र से वहां के सम्पूर्ण क्षेत्र सकारात्मक ऊर्जा से सशक्त हो जाते हैं। इस दौरान कथा आयोजक पूर्व ज्येष्ठ ब्लाक प्रमुख डा दिनेश सिंह, पं. अमरनाथ मिश्र, रामप्रताप सिंह, बबुनी देवी, प्रधान प्रतिनिधि पिन्टू सिंह, सर्वेश सिंह, देवेंद्र सिंह, रविन्द्र सिंह, दिलीप सिंह, सुनीता सिंह, बिन्दू देवी सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

फर्जी महिला दरोगा गिरफ्तार

भाटपार रानी, देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले से एक चौका देने वाली खबर सामने आई है। देवरिया के खामपार पुलिस ने एक महिला दरोगा को गिरफ्तार किया है। महिला दरोगा गुरुवार की रात अपने पति और दो बच्चों के साथ बाइक पर सवार होकर बड़े शान से कहीं जा रही थी।इसी बीच खामपार पुलिस भी भिंगारी बाजार में वाहन चेकिंग कर रही थी। वाहन चेकिंग कर रहे पुलिस कर्मियों की नजर अचानक इस महिला दरोगा पर पड़ गई, पुलिस ने देखा कि महिला दरोगा जिस तरह से अपने पति और बच्चों के साथ सवारी कर रही थी वह ट्रैफिक नियमों के विरुद्ध था, पुलिस को यह बात हजम नहीं हुई कि आखिर कोई जिम्मेदार पुलिस कर्मी इस तरह की हरकत कैसे कर सकता है। खामपार पुलिस को महिला दरोगा पर शक हो गया और पुलिस ने उसे जांच करने के लिए रोक लिया। पूछताछ में महिला दरोगा घबरा गई और इधर उधर की बात करने लगी जिससे पुलिस का शक और गहरा हो गया। पुलिस ने जब आगे पूछताछ किया तो शक सही साबित हो गया। बाद में स्थानीय पुलिस ने महिला दरोगा को अपने साथ लेकर थाने चली आई और कड़ाई से पूछताछ करने पर पता चला कि यह महिला दरोगा कोई पुलिस कर्मी नहीं बल्कि एक फर्जी दरोगा है। जो पुलिस की वर्दी पहनकर लोगों पर रौब जमाती है और वसूली करती है। पुलिस के कड़ाई के सामने महिला दरोगा की एक नहीं चली और उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया।

पूछताछ में फर्जी महिला दरोगा ने अपना पहचान खामपार थाना क्षेत्र के निशानियां पैकौली की रजनी दुबे पत्नी प्रभुनाथ दुबे बताया। उसने बताया कि वह कई वर्षों से दरोगा की वर्दी पहनकर फर्जी दरोगा बनकर लोगों पर रौब जमाती थी और वसूली करती थी। स्थानीय पुलिस ने उसके विरुद्ध सरकारी वर्दी का दुरुपयोग करने के जुर्म में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया।

शासन के आदेश पर ग्राम पंचायत में चकबंदी कराने को लेकर उपजिलाधिकारी को किया गया निर्देशित।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जनपद सिद्धार्थनगर में तहसील क्षेत्र–डुमरियागंज के तीन ग्राम राउतडीला एहतमाली तप्पा करही, पुरैना तप्पा वैनिया तथा वेतनार एहतमाली, परगना रसूलपुर एवं तहसील क्षेत्र नौगढ़ के दो ग्राम जगमोहनी तथा विशुनपुर परगना नौगढ़ में चकबन्दी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र ध विज्ञप्ति संख्या–4479 एवं 4480ध जी0–610/2024–25(5) दिनांक 06 सितम्बर, 2024 द्वारा चकबन्दी प्रक्रिया के अन्तर्गत विज्ञप्ति ध गजट जारी कर चकबन्दी क्रियायें आरम्भ किया गया है। सम्बन्धित उपजिलाधिकारी उक्त ग्रामों के राजस्व लेखपाल को निर्धारित कर सम्बन्धित ग्राम के अभिलेख एवं बस्ता सम्बन्धित चकबन्दी लेखपाल को तत्काल उपलब्ध करायें जिससे शासन की मंशा के अनुरूप उपरोक्त ग्राम में चकबन्दी प्रक्रियायें सुचारू रूप से प्रारम्भ की जा सके। इस बात की जानकारी बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी,सिद्धार्थनगर द्वारा दिया गया है।

यज्ञ का किया गया आयोजन

बनकटा देवरिया। बांसगांव संदेश। बनकटा क्षेत्र के रतसिया स्थित बब्बन सिंह शिक्षण संस्थान के 58वें वार्षिकोत्सव, संस्थापक स्वर्गीय बब्बन सिंह की 127वीं जयंती, स्वर्गीय राज नारायण सिंह की 21वीं एवं सत्य नारायण सिंह की पांचवीं पुण्यतिथि के अवसर पर नव कुण्डीय गायत्री महायज्ञ एवं विभिन्न प्रदर्शनियों का भव्य आयोजन किया गया। समस्त मानवता के कल्याणार्थ, विश्व शांति, क्षेत्रीय जनता की खुशहाली, छात्राओं, शिक्षकों, कर्मचारियों, और

अभिभावकों के भाग्योदय आसुरी शक्तियों के विनाश एवं देवत्व के अभ्युदय के लिए युगऋषि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य एवं वंदनीय माता भगवती के सूक्ष्म निर्देशन में पूर्णावती यज्ञ आयोजित की जाती है। उसी क्रम में आज विद्यालय मैं हरिद्वार से पधारे परिव्राजक प्रेम प्रकाश मिश्रा की मंडली के नेतृत्व में संस्थान की छात्राओं और क्षेत्रीय महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा विद्यालय से प्रारंभ होकर विभिन्न गांव जैसे रतसिया,सिकटिया, नोहर छापर, भटवलिया होते हुए विद्यालय पर समाप्त हुई। इस अवसर पर संस्थान के कुल मुख्य डॉ तेज प्रताप सिंह प्रबंधक संस्थान भानु प्रताप सिंह प्रबंधक चंद्र प्रताप सिंह प्रधानाचार्य जगत नारायण सिंह राकेश रंजन सिंह एवं संस्थान के सभी शिक्षक कर्मचारी और क्षेत्रीय जन उपस्थित रहे।

के.आई.पी.एम में तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का शुभारंभ

सहजनवा गोरखपुर । के.आई.पी.एम कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट, गीडा गोरखपुर के प्रांगड़ में उत्तरप्रदेश एवं उत्तराखंड इकोनामिक एसोसिएशन के तीन दिवसीय (दिनांक 9 से 11 नवम्बर 2024 तक) 20वें वार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन किया जा रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य भारतीय लोकतंत्र के अमृत काल में राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था मे बिजनेस मैनेजमेंट को समावेश करते हुए 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की प्राप्ति के मार्ग को प्रशस्त करना है।उपरोक्त तीन दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का शुभारंभ दिनांक 9 नवंबर 2024 को मुख्य अतिथि रजनी तिवारी (माननीय राज्यमंत्री उच्च शिक्षा) उत्तर प्रदेश सरकार के कर कमलो द्वारा विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर एनएनपी वर्मा, कुलपति, बाबासाहेब भीम राव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं अतिथि प्रो. सतीश चंद्र द्विवेदी – पूर्व माननीय बेसिक शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश, प्रो. अशोक मित्तल – पूर्व कुलपति, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा और यूपीया के अध्यक्ष, प्रो. मनमोहन कृष्ण – सम्मेलन अध्यक्ष और सेवानिवृत्त प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव – महासचिव, उत्तर प्रदेश–उत्तराखंड आर्थिक संघ (यूपीया). प्रो. रवि श्रीवास्तव – सेवानिवृत्त प्रोफेसर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, संस्थान के चेयरमैन श्री आर डी सिंह, प्रबंधक महोदया सुनीता सिंह, प्रबंध निदेशक विनोद कुमार सिंह, निदेशक डॉ जयबीर प्रताप सिंह, निदेशक फार्मेसी डॉ जय नारायन मिश्रा, निदेशक इंजीनियरिंग डॉ जाहिद रियाज खान की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर किया गया स इस उद्घाटन सत्र के दौरान बृजेश पाठक उपमुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर सम्मेलन के उद्देश्यों पर अपनी बातों को रखा इस राष्ट्रीय अधिवेशन के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य भारत देश की अर्थव्यवस्था को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बेहतर स्थान दिलाने के लिए आवश्यक नीति, योजनाएं और प्रबंधन समाधानों पर विचार करना हैस यह कार्यक्रम भारतीय समाज की समृद्धि, समावेशी विकास और सतत वृद्धि के लिए नई दिशा और मार्गदर्शन प्रदान करेगास सम्मेलन में भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों जैसे जनसंख्या, कृषि, पर्यटन, जलवायु परिवर्तन, विदेशी व्यापार नीति पर, एक्सपर्ट लेक्चर का आयोजन किया गया उपरोक्त नेशनल कांफ्रेंस के अवसर पर के.आई.पी.एम संस्थान की वार्षिक पुस्तिका उद्गम का विमोचन माननीय मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा किया गया उद्घाटन समारोह के संध्या पर डॉ धीरेंद्र प्रताप सिंह के देखरेख में कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया जिसमें डॉ राजेश कुमार मिश्रा, ब्रह्मदेव शास्त्री, डॉ सुशील श्रीवास्तव, सत्यंवदा शर्मा, प्रेमनाथ मिश्र, अनुजेन्द तिवारी द्वारा भारतीय संस्कृति और समाज के विभिन्न पहलुओं पर काव्य प्रस्तुतियां दी गई इस सम्मेलन में जेएनयू नई दिल्ली, बी एच यू वाराणसी, आईआईटी रुड़की, सीएमआर यूनिवर्सिटी बैंगलोर, हरि सिंह गौरयू निवर्सिटी सागर मध्य प्रदेश, चितकारा यूनिवर्सिटी पंजाब, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ, दून यूनिवर्सिटी देहरादून, कुमाऊं यूनिवर्सिटी नैनीताल, वीबीएस पूर्वांचल यूनिवर्सिटी जौनपुर, जयपुरिया इंस्टीट्यूट नोएडा, डॉक्टर शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ, डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या, लखनऊ विश्वविद्यालय, रज्जू भैया विश्वविद्यालय प्रयागराज, इलाहाबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी प्रयागराज, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी अलीगढ़, एमिटी यूनिवर्सिटी लखनऊ, गढ़वाल यूनिवर्सिटी उत्तराखंड, जैसे विभिन्न नामी विश्वविद्यालय के साथ–साथ भारत एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न संस्थाएं जैसे नेशनल कौंसिल ऑफ अप्लाइड इकोनामिक रिसर्च नईदिल्ली, चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री नई दिल्ली, जैसे देशभर के प्रमुख एकेडमिक और व्यवसायिक संस्थानों के पेशेवर विशेषज्ञ, नीति निर्माता एवं उद्योग जगत के लगभग 500 प्रोफेसर, रिसर्च स्कॉलर एवं छात्रों अपने विचार व्यक्त किए मुख्य अतिथि रजनी तिवारी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज के इस युग में, जब हमारी अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हो रही है, हमारे सामने कई महत्वपूर्ण चुनौतियाँ और अवसर हैं। यह 'अमृतकाल' हमारे देश की क्षमता को साकार करने का सुनहरा अवसर है। इस दिशा में डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप संस्कृति, आत्मनिर्भर भारत, और मेक इन इंडिया जैसी पहलें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।कार्यक्रम के अंत में संस्था के अध्यक्ष श्री आर डी सिंह ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ठ अतिथि को स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र से सम्मानित करते हुए कहा कि हमारे शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, और उद्योग के अनुभवी विशेषज्ञों का इस मंच पर आना हमें नई सोच, नई दृष्टि और नई दिशा प्रदान करेगा। हमें विश्वास है कि आज यहाँ विचारों की जो धारा बहेगी, वह हमारी अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होगी। अंत में, मैं सभी सम्मानित अतिथियों, विद्वानों और शिक्षाविदों का हार्दिक स्वागत और धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने इस सम्मेलन को सफल बनाने के लिए यहाँ पधार कर हमारा मान बढ़ाया है। मैं उम्मीद करता हूँ कि आप सभी के विचार और सुझाव हमारे देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। संस्थान के प्रबंधक महोदया सुनीता सिंह ने नेशनल कांफ्रेंस में आई मुख्य अतिथि रजनी तिवारी को कॉलेज के प्रतीक चिन्ह एवं अंग वस्त्र से सम्मानित करते हुए नेशनल कांफ्रेंस में आने के लिए हृदय से धन्यवाद प्रकट किया । निदेशक डॉ जयबीर प्रताप सिंह ने कार्यक्रम में आए मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं अतिथियों को हृदय से धन्यवाद दिया। उपरोक्त कार्यक्रम में डॉ दीपक श्रीवास्तव, डॉ संजय गुप्ता, अनुराग त्रिपाठी, अनिल यादव, देवेन्द्र गुप्ता, पी के पांडेय, अविनाश राहुल, निशा पांडे, साक्षी श्रीवास्तव, सावित्री यादव, राज लक्ष्मी, आकृति सिंह, राहुल यादव, कृष्णा जायसवाल, अनुराधा राय, ममता यादव इत्यादि ने विशेष सहयोग दिया।

पीपीगंज में नंदू मिश्रा के भजनों पर झूमे श्रोता

महावनखोर गोरखपुर । पीपीगंज में छठ पूजा के समापन पर कनकेश्वरी नंदगिरी (किरन बाबा) के आवास पर एक भव्य जागरण का आयोजन किया गया। इस जागरण में भजन सम्राट नंदू मिश्रा ने अपनी मधुर आवाज से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।कनकेश्वरी नंदगिरी के द्वारा नंदू मिश्रा को चुनरी साल व सफा पहनाकर जागरण का शुभारंभ किया गया।नंदू मिश्रा ने एक से बढ़कर एक देवी गीतों एवं भजनों को प्रस्तुत कर दर्शकों को खूब आनंदित किया। वहीं श्रोताओं ने माता जी के गीतों पर पूरी रात झूमते नाचते रहे। भजन गायिका दिव्या मां ने भी शानदार गीतों की प्रस्तुति दी। किरन बाबा द्वारा आयोजित भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर माता का प्रसाद ग्रहण किया। नंदनी, सिमरन व हजारों की संख्या में भक्त गण मौजूद रहे।

मनरेगा पार्क, ओपन जिम का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण।

लोटन सिद्धार्थनगर–जिलाधिकारी द्वारा विकास खण्ड लोटन के ग्राम पंचायत बस्तिया के मनरेगा पार्क में ओपेन जिम, ध्यान स्थल निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सोलर लाइट, ओपन

जिम, बाउन्ड्रीवाल का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं समय से पूर्ण कराने का निर्देश दिया जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि प्रत्येक सप्ताह मनरेगा द्वारा बनाये जा रहे खेल मैदानध्मनरेगा पार्क की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध करायेगे इसके साथ ही जनपद के सभी मनरेगा पार्कध्खेल मैदान का निरीक्षण करने का निर्देश दिया निरीक्षण के दौरान उपरोक्त के अतिरिक्त जिला पंचायत राज अधिकारी पवन कुमार, खण्ड विकास अधिकारी लोटन, ग्राम प्रधान व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित थे।

वन माफियाओ के हौसले बुलंद,सरकारी पेंडो को भी रात के अंधेरे में उड़ा ले गए माफिया।

ब्यूरो जोगिया सिद्धार्थनगर–

जिले में वन माफियाओ के हौसले इतने बुलंद है कि सरकारी पेंडो को भी काट कर अपनी झोली भरने में लगे है वन विभाग पेंडो को काटने के लिए ठेकेदारों को परमिट बनवाकर पेंड काटने की परमिशन देती है बड़े पैमाने पर लकड़ी का व्यापार करने वाले ठेकेदार का वन विभाग में रजिस्ट्रेशन होता है जिससे उनको पेंडो को काटने में सहूलियत मिल जाती है कई व्यापारी ऐसे भी होते है जो परमिट कुछ पेंडो की बनवाकर अधिक पेंड विभाग की मर्जी से काट लेते है वही कुछ विभागीय कर्मचारी छोटे व्यापारियों को बिना परमिट के पेंडो को काटने का लाइन देकर अपना लाभ कर लेते है। ऐसा ही एक मामला विकास खण्ड जोगिया के ग्राम सभा खेतवाल तिवारी का भी है जहाँ सिंचाई निर्माण खंड के बूढ़ी राप्ती के बंधे पर लगे भीलोर के दस पेंडो को वन माफिया रात के अंधेरे में काट कर उठा ले गए जिसकी जानकारी ग्रामीणों को भी नही हुई सुबह जब ग्रामीण बंधे पर गए तब पता चला कि कुछ वन माफिया रात में पेंडो को काट ले गए ग्रामीणों ने बताया कि बंधे पर लगे पेंडो का सरकार ने मवाजा पेंड मालिको को देकर अपने अधीन कर लिया था यानी सभी पेंड सरकार थे इसके देख रेख की सम्पूर्ण जिम्मेदारी वन विभाग के साथ साथ सिंचाई निर्माण खंड के जे ई की भी होती है बंधो के किनारे लगे ये पेंड बाढ़ के समय मे कटान को रोकने का काम करते है लेकिन पेंडो को काटकर वन माफिया ग्रामीणों के जान से खिलवाड़ कर रहे है वैसे भीलोर एक छूट प्रजाति का पेड़ है जिसके लिए किसी परमिट की जरूरत नही लेकिन ये पेंड सरकारी थे बिना विभाग की मिलीभगत से इस तरह से पेंडो को काटना असम्भव है। मजे की बात तो ये है कि वन माफिया पेंडो को काट ले गए और वन विभाग को भनक तक नही लगी इस बात की जानकारी जब वन विभाग को हुई तब भी उनके हाथ पेंडो को काटने वालो से कोसो दूर है इस कारनामे से ये बात साफ है कि वन विभाग अपनी जिम्मेदारियों के प्रति कितना सक्रिय है ये सामने नजर आ रहा है अब सवाल ये है कि वन विभाग इन माफियाओ को पकड़कर कार्यवाही कर पायेगी या ये वन माफिया इसी तरह अपने कारनामो को अंजाम देते रहेंगे और विभाग को चुनौती देकर काम करते रहेंगे ये समय ही तय करेगा।

बांसी बनकटा बांध पर रेगुलेटर निर्माण का मुख्य विकास अधिकारी ने किया निरीक्षण।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

जयेन्द्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सिंचाई निर्माण खण्ड सिद्धार्थनगर द्वारा बांसी बनकटा बांध पर किमी 0.300 , 1.300, 3.800 पर निर्मित रेगुलेटर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया निरीक्षण के समय सहायक अभियन्ता व अवर अभियंता सिंचाई निर्माण खण्ड एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहें सभी रेगुलेटर निर्माण कार्य पूर्ण है, प्राक्कलन के अनुसार रेगुलेटर निर्माण कार्य का सत्यापन किया गया

निरीक्षण में पाया गया कि किमी 1.300 पर रेगुलेटर में मिट्टी पटाई एवं अन्य सुरक्षात्मक कार्य अपूर्ण है, तथा किमी 0.300 एवं 3.800 पर कुछ दूरी में मिट्टी कार्य कराया जाना अवशेष है सहायक अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि एक माह में सभी रेगुलेटर पर मिट्टी पटाई का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें ।

शिक्षा में सुधार लाने के लिए ब्लाक स्तरीय कार्यशाला का किया गया आयोजन।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

ब्लाक संसाधन केंद्र, लोटन में ब्लाक स्तरीय उन्मुखीकरणध्कार्यशाला जिलाधिकारी की अध्यक्षता एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि हम सभी को मिलकर शिक्षा व्यवस्था में सुधार लाना है शिक्षा, चिकित्सा ठीक होगा तो जनपद की अधिकतर समस्यायें ठीक हो जायेगी हमे विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाना है जिससे प्राइवेट विद्यालयों के बच्चे सरकारी विद्यालयों में पढ़ेंगे स्पोर्ट ग्रान्ट में जो धनराशि मिलती है उससे खेल का सामान खरीदकर बच्चों को खेलने के लिए दे सभी लोग अतिरिक्त मेहनत करे सभी शिक्षक फार्मल ड्रेस में ही विद्यालय आयेगे, जीन्स, टीशर्ट पहनकर नहीं आयेंगे अभिभावको को जागरूक करते हुये बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराये तथा बच्चे ड्रेस, जूता मोजा पहन कर विद्यालय आयें। विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं को ठीक कराना है खण्ड विकास अधिकारी के माध्यम से प्राथमिक विद्यालयध्कम्पोजिट विद्यालयों में सभी क्लासरूम में टाइल्स लगाया जाये इसमें खण्ड शिक्षा अधिकारीध्प्रधानाध्यापक विशेष ध्यान देकर अच्छी गुणवत्ता का टाइल्स लगवायें यदि विद्यालय की छत टपक रही है उसकी मरम्मत हेतु खण्ड विकास अधिकारी को निर्देश दिया गया विद्यालय फण्ड में जो धनराशि मिलती है उससे पेन्टिंग कराये जिलाधिकारी ने कहा कि मेरे द्वारा विद्यालयों का निरीक्षण किया जाता है तथा प्रत्येक सप्ताह बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा की जाती है जो शिक्षक अच्छा कार्य कर रहे है उन्हे प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जा रहा है शासन के मंशानुसार जनपद को निपुण बनाना है निपुण सिद्धार्थनगर बनाने हेतु हिन्दी और गणित पर विशेष ध्यान देना है सभी शिक्षक अपनी डायरी भरें तथा विषयवार तैयार करें जिलाधिकारी ने निर्देश देते हुए कहा कि शासन द्वारा जो एसओपी जारी की गयी है उसका अनुपालन सुनिश्चित किया जाये प्रदेश में उप चुनाव के दृष्टिगत दिनांक 29 नवम्बर 2024 को कक्षा 1–3 तथा 30 नवम्बर 2024 को कक्षा 4–8 तक के बच्चों का एन.ए.टी. परीक्षा आयोजित किया जाना है जिसके लिए शिक्षक पूरी मेहनत से बच्चों की तैयारी कराये यह परीक्षा ओ.एम.आर. शीट पर करायी जायेगी। जिसका परीक्षाफल मुख्यमंत्री डैसबोर्ड पर भी अपलोड किया जायेगा जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षा में सुधार होगा तभी जनपद में सुधार होगा जिलाधिकारी ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि इस कार्य में आप सभी का सहयोग प्राप्त होगा सभी शिक्षको द्वारा सहमति दी गयी। इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी लोटन अशोक कुमार सिंहध्, ए0आर0पी0, विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का किया गया आयोजन।

भूमि विवाद और नाली ज्यादातर मामले आये सामने।

ब्यूरो सिद्धार्थनगर–

शासन के मंशा के अनुरूप प्रत्येक माह के द्वितीय एवं चतुर्थ शनिवार को सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है आज थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में थाना लोटन में थाना समाधान दिवस का कार्यक्रम का आयोजन किया गया सम्पूर्ण थाना समाधान दिवस के अवसर पर आने वाले शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को जिलाधिकारी द्वारा सुना गया ज्यादातर प्रकरण भूमि विवाद एवं नाली से संबधित था समस्त राजस्व निरीक्षक एवं लेखपाल को निर्देश दिया गया कि भूमि विवाद, वरासत, बंटवारा आदि के जो प्रकरण हैं उनका मौके पर जाकर सही ढ़ग से निस्तारण करायें किसी को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाये जिलाधिकारी की उपस्थिति में थाना समाधान दिवस के अवसर पर जो भी प्रकरण प्रस्तुत हुए जिलाधिकारी ने हल्का लेखपाल एवं राजस्व निरीक्षक को निर्देश दिया कि आज और कल सभी हल्का लेखपाल राजस्व निरीक्षक को साथ लेकर मौके पर जाकर नाली का विवाद, चकमार्ग का विवाद व जमीन बटवारा व अवैध कब्जाध्पट्टा प्रकरणो को ग्रामवासियों का बयान

शिक्षक उन्नयन कार्यशाला का आयोजन मुख्य विकास अधिकारी की उपस्थिति में सम्पन्न।

जोगिया सिद्धार्थनगर– ब्लाक संसाधन केंद्र, जोगिया के अन्तर्गत सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल में ब्लाक स्तरीय शिक्षक उन्नयन कार्यशाला उन्मुखीकरण कार्यक्रम मुख्य विकास अधिकारी जयेंद्र कुमार एवं खण्ड शिक्षा अधिकारी कमला प्रसाद उपस्थिति में आयोजित किया गया।बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए सबको मिल कर सहयोग करना होगा परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाना है इसके लिए सभी लोग मेहनत करे स्पोर्ट ग्रान्ट में जो धनराशि मिलती है उससे खेल का सामान खरीदकर बच्चों को खेलने के लिए दे अभिभावको को जागरूक करते हुये बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराये तथा बच्चे ड्रेस, जूता मोजा पहन कर विद्यालय आयें विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं को ठीक कराना है विकास खण्ड एवं ग्राम पंचायत द्वारा प्राथमिक विद्यालयध्कम्पोजिट विद्यालयों कायाकल्प का कार्य कराया जा रहा है यदि विद्यालय की छत टपक रही है, उसकी मरम्मत हेतु विकास खण्ड को निर्देश दिया गया विद्यालय फण्ड में जो धनराशि मिलती है उससे पेन्टिंग कराये शासन के मंशानुसार जनपद को निपुण बनाना है निपुण सिद्धार्थनगर बनाने हेतु हिन्दी और गणित पर विशेष ध्यान देना है सभी शिक्षक अपनी डायरी भरें तथा विषयवार तैयार करें शासन द्वारा जो एसओपी जारी की गयी है उसका अनुपालन सुनिश्चित किया जाये सभी शिक्षक को निपुण के लिए शपथ दिलाई गई इस अवसर पर खण्ड शिक्षा अधिकारी जोगिया, ए0आर0पी0, विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

थाईलैंड में डै Dhoni का दिखा कूल अंदाज, परिवार संग मना रहे वेकेशन

आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन का बेसब्री से इंतजार कर रहा है, जो 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जद्दा शहर में होने वाली है। इस सब से दूर भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी अपने परिवार के साथ छुट्टियां मना रहे हैं, एमएस धोनी अपने परिवार के साथ थाईलैंड के बीचों का लुत्फ उठा रहे हैं। क्रिकेट से जुड़ा दुनिया का हर शख्स इस समय आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन का बेसब्री से इंतजार कर रहा है, जो 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जद्दा शहर में होने वाली है। इस सब से दूर भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी अपने परिवार के साथ छुट्टियां मना रहे हैं, एमएस धोनी अपने परिवार के साथ थाईलैंड के बीचों का लुत्फ उठा रहे हैं, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही हैं। महेंद्र सिंह धोनी इन दिनों क्रिकेट के शोर–शराबे से दूर थाईलैंड के फुकेट में अपने परिवार के साथ छुट्टियां मना रहे हैं। क्रिकेट से ब्रेक लेकर धोनी इन दिनों अपने परिवार के साथ सुकून भले पल बिता रहे हैं। उनकी बेटी जीवा के इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की गई है, जिसमें धोनी ब्लैक स्लीवलेस टी–शर्ट पहने समुद्र के पानी में खड़े हैं। धोनी के चेहरे पर शांति और सुकून साफ दिखाई दे रहा है। उनकी वाइफ साक्षी पिंक स्विमसूट में किनारे पर खड़ी हैं, जो शायद पानी में उतरने के बारे में सोच रही हैं। ये छोटी छुट्टी धोनी के लिए आईपीएल 2025 से पहले तरोताजा होने का अच्छा मौका है। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन से पहल` धोनी के भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। कई फैंस को चिंता थी कि ये सीजन उनके पंसदीदा कप्तान का आखिरी सीजन हो सकता है। लेकिन इन चर्चाओं पर विराम लगाते हुए 31 अक्टूबर को चेन्नई सुपर किंग्स ने धोनी को अनकैप्ड खिलाड़ी के तौर पर रिटेन करने का ऐलान किया। फैंस के लिए ये बड़ी राहत की बात थी।

जसप्रीत बुमराह के इस रिकार्ड पर अर्शदीप–हार्दिक की नजरें, बस करना होगा ये काम

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जारी कैलेंडर ईयर में सातवीं बार 200 से ज्यादा का स्कोर बनाया। भारतीय टीम ने 20 ओवर में 202 रन बनाए। इसके जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम 141 रन ही बना सकी। अफ्रीका की टीम 13 गेंद पहले ही ऑलराउंडर हो गई। वरुण और रवि ने 3–3 विकेट चटकाए, जबकि आवेश खान को दो और अर्शदीप को एक विकेट मिला। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चार मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाली टीम ने आसानी से जीता। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जारी कैलेंडर ईयर में सातवीं बार 200 से ज्यादा का स्कोर बनाया। भारतीय टीम ने 20 ओवर में 202 रन बनाए। इसके जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम 141 रन ही बना सकी। अफ्रीका की टीम 13 गेंद पहले ही ऑलराउंडर हो गई। वरुण और रवि ने 3–3 विकेट चटकाए, जबकि आवेश खान को दो और अर्शदीप को एक विकेट मिला। इस सीरीज में अर्शदीप और हार्दिक के पास जसप्रीत बुमराह का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है।

खतरे में है गौतम गंभीर की कोचिंग, बार्डर–गावस्कर ट्राफी में बस एक गलती और हो जाएगी छुट्टी

वहीं हेड कोच गौतम गंभीर की कोचिंग भी खतरे में दिख रही है। आने वाले दिनों में गौतम गंभीर की अग्निपरीक्षा शुरू होने जा रही है। जिसमें ये कहना गलत होगा कि उनके पास बस एक मौका है जिससे उन्हें खुद को साबित करना पड़ेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ घर में सूपड़ा साफ होने के बाद टीम इंडिया की चारों तरफ आलोचना हो रही है। वहीं हेड कोच गौतम गंभीर की कोचिंग भी खतरे में दिख रही है। आने वाले दिनों में गौतम गंभीर की अग्निपरीक्षा शुरू होने जा रही है। जिसमें ये कहना गलत होगा कि उनके पास बस एक मौका है जिससे उन्हें खुद को साबित करना पड़ेगा। दरअसल, 22 नवंबर से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के तहत 5 मैचों की टेस्ट सीरीज होगी। जिसमें भारतीय टीम को हर हाल में जीतना होगा, इसी से गौतम गंभीर का पद बच सकता है। न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के बाद से लगातार उनकी कोचिंग शैली की चर्चा है। अब एक रिपोर्ट भा सामने आई है जिसमें कहा गया है कि अगर टीम इंडिया बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में बुरी तरह से हारती है तो गौतम गंभीर को टेस्ट टीम के हेड कोच के पद से बर्खास्त किया जा सकता है। के मुताबिक, अगर भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में बुरी तरह हार का सामना करना पड़ता है तो बीसीसीआई लाल गेंद और सफेद गेंद के दो अलग–अलग कोच रखने की रणनीति अपना सकता है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि अगर गौतम गंभीर से टेस्ट टीम की जिम्मेदारी छीनी जाती है तो उनके रिप्लेसमेंट के रूप में एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण को ये जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है।

आस्ट्रेलिया को हराते ही पाकिस्तान ने भारत को पछाड़ा, ये खास रिकार्ड तोड़ा

ऑस्ट्रेलियाई धरती पर वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में ये पाकिस्तान की 41वीं जीत थी, जिसके बाद उसने भारत को खास मामले में पीछे छोड़ दिया है। इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई धरती पर सबसे ज्यादा वनडे मैच जीतने वाली एशियाई टीम भारत और पाकिस्तान साथ–साथ थी, लेकिन अब पाकिस्तान ने भारत को पीछे छोड़ दिया है। वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया में कुल 75 वनडे इंटरनेशनल मैच जीते हैं, इसके बाद इंग्लैंड का नाम आता है, जिसने ऑस्ट्रेलिया में 53 मैच जीते हैं। पाकिस्तान तीसरे नंबर पर 41 मैचों मे जीत के साथ है। वहीं भारत ने ऑस्ट्रेलिया में कुल 40 मैच जीते हैं। एशियाई टीमों में अब पाकिस्तान ने भारत को पीछे छोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज का पहला मैच तीन विकेट से जीता था।

इजरायल की पहुंच से कोई दूर नहीं, इस देश में उसके नागरिकों पर हुआ हमला,

गाजा और लेबनान में इस्राइली हमलों को लेकर ऐम्स्टर्डम में पहले से ही तनाव था। सोशल मीडिया पर यहूदियों को निशाना बनाने के आह्वान के बाद ये हिंसा हुई। ऐम्सटर्डम पुलिस ने कहा कि यूरोपा लीग में एजेक्स और मैकाबी तेल अवीव टीमों के बीच मैच में काफी बाधाएं खड़ी हुई। इसमें मैकाबी (इस्राइली) समर्थकों को निशाना बनाकर हिंसा हुई। दंगाइयों ने इस्राइली फैन्स को ढूंढ़कर उन पर हमला किया। पुलिस इस्राइली समर्थकों को बचाकर होटलों तक लाई। इससे पहले मेयर ने स्टेडियम के पास फलस्तीन समर्थक प्रदर्शन बैन कर दिया था, जिसके बाद हिंसा भड़की।विदेशी धरती पर यहूदियों को निशाना बनाए जाने से हड़कंप मचा है। इजरायलियों पर एक फुटबॉल मैच के बाद यूरोपीय देश निदरलैंड पर हमला किया गया, जिसके कई वीडियो भी सामने आए हैं। इसमें फिलिस्तीनी समर्थक लोग इजरायलियों को अकेला पाकर हमला करते दिखे। घटना सामने आने के बाद इजरायली सरकार भी एक्शन में आ गई। इजरायली नागरिकों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए बेंजामिन नेतन्याहू सरकार ने दो बचाव विमान ऐम्स्टर्डम में भेजे।दरअसल, नीदरलैंड्स की राजधानी ऐम्स्टर्डम में फुटबॉल मैच के बाद यहुदी विरोधी दंगाइयों ने इस्राइली फैन्स पर हमला किया। इसमें 25–30 लोग घायल हुए है, जिनमें से पांच को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जिन्हें बाद में छुट्टी दे दी गई। हिंसा से बचाकर इस्राइली प्रशंसकों को वापस लाने के लिए इस्राइली प्रधानमंत्री बेन्यामिन नेतन्याहू ने विमान भेजा और उन्हें वापस तेल अवीव लाए। ऐम्स्टर्डम पुलिस ने हिंसा में अब तक –2 लोगों को गिरफ्तार किया है।गाजा और लेबनान में इस्राइली हमलों को लेकर ऐम्स्टर्डम में पहले से ही तनाव था। सोशल मीडिया पर यहूदियों को निशाना बनाने के आह्वान के बाद ये हिंसा हुई। ऐम्सटर्डम पुलिस ने कहा कि यूरोपा लीग में एजेक्स और मैकाबी तेल अवीव टीमों के बीच मैच में काफी बाधाएं खड़ी हुई। इसमें मैकाबी (इस्राइली) समर्थकों को निशाना बनाकर हिंसा हुई। दंगाइयों ने इस्राइली फैन्स को ढूंढ़कर उन पर हमला किया। पुलिस इस्राइली समर्थकों को बचाकर होटलों तक लाई। इससे पहले मेयर ने स्टेडियम के पास फलस्तीन समर्थक प्रदर्शन बैन कर दिया था, जिसके बाद हिंसा भड़की।प्रधानमंत्री नेतन्ध्याहू ने वहां कार्गो एयरक्राफ्ट और मेडिकल टीम के साथ रेस्क्यू टीम तैनात करने की तैयारी की है। एमस्टरडैम में इजरायलियों के खिलाफ गंभीर और हिंसक घटनाओं के बाद प्क्ष्‍ डच सरकार के समन्वय के साथ तुरंत एक बचाव मिशन तैनात करने की तैयारी कर रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि नेतन्याहू ने डच प्रधानमंत्री डिक शूफ और स्थानीय सुरक्षा बलों से दंगाइयों के खिलाफ निर्णायक और तेजी से कार्रवाई करने का आह्वान किया गया है।

ट्रंप का पहला शिकार ट्रूडो ? कनाडा के लोग क्यों डरे और चिंतित, भारत खुश तो बहुत होगा

जस्टिन ट्रूडो के साथी और खालिस्तानी नेता जगमीत सिंह ने ट्रंप की जीत पर डरते हुए बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कनाडा के बहुत सारे लोग जब सोकर उठे तो वे डरे हुए थे, चिंतित थे और कई तो टूट चुके थे। अब समय आ गया है कि हमें कनाडा के हितों के लिए साथ आना होगा। साल 2019 की बात है जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो नाटो देशों के एक सम्मेलन में ट्रंप की बेइज्जती करते हुए कैमरे में कैद हो गए थे। लेकिन उस समय जस्टिन ट्रूडो को शायद अंदाजा नहीं था कि अमेरिका की सत्ता में एक बार फिर से उनकी वापसी हो जाएगी। अब डोनाल्ड ट्रंप के जीत वाले डांस को देखकर कनाडा में हड़कंप मच गया है। अमेरिका में चुनावी नतीजे आने के बाद कनाडा से जो बयान आया है, उसे सुनकर तो ऐसा ही लग रहा है कि कनाडा डोनाल्ड ट्रंप का पहला शिकार बनने वाला है। डोनाल्ड ट्रंप अपनी बेइज्जती करने वाले जस्टिन ट्रूडो से बदला तो जरूर लेंगे। लेकिन दिलचस्प बात ये है कि इससे भारत का भी बदला पूरा हो जाएगा। जस्टिन ट्रूडो के साथी और खालिस्तानी नेता जगमीत सिंह ने ट्रंप की जीत पर डरते हुए बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कनाडा के बहुत सारे लोग जब सोकर उठे तो वे डरे हुए थे, चिंतित थे और कई तो टूट चुके थे। अब समय आ गया है कि हमें कनाडा के हितों के लिए साथ आना होगा। मुझे लगता है कि ट्रंप का जीतना कनाडा के लोगों पर गंभीर प्रभाव डालेगा। हमारी नौकरियों और अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर पड़ने वाला है। दरअसल, ये डर इसलिए है कि खालिस्तानी नेता और जस्टिन ट्रूडो ये जानते हैं कि ट्रंप उनका क्या हाल करने वाले हैं। खालिस्तानी और ट्रूड्डो ये भी जानते हैं कि ट्रंप और मोदी की दोस्ती बेहद गहरी है। खालिस्तानी आतंकी निज्जर और पन्नू के मुद्दे पर ट्रूडो और बाइडेन सरकार एक साथ थी। लेकिन बाइडेन अब जा चुके हैं। कनाडा अब बेवजह भारत पर बेबुनियाद आरोप नहीं लगा पाएगा। कनाडा से भारत के टकराव और आतंकी पन्नू को लेकर भारत और अमेरिका के रिश्ते में टकराव दिख रहा है। जबकि डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति रहते हुए भारत और अमेरिका की दोस्ती ज्यादा मजबूत नजर आई थी। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की नीतियां अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी से काफी मेल खाती हैं, ऐसे में ट्रंप के आने से भारत को कनाडा पर दबाव बनाने में मदद मिलेगी।कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने अमेरिका चुनाव में ट्रंप की जीत के बाद उन्हें बधाई देने के लिए फोन किया था। इस बातचीत के दौरान न केवल ट्रूडो ने ट्रंप को बधाई दी बल्कि आगे की रणनीति और दोनों देशों के बीच रिश्तों को मजबूत करने की कोशिश की और व्यापार को बढ़ाने के लिए हाथ बढ़ाया। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान एक बार ट्रूडो को कमजोर और बेईमान कहा था।

पाकिस्तान में दिल दहलाने वाला धमाका, बिछ गई लाशें, मचा हड़कंप

क्वेटा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ऑपरेशन मोहम्मद बलूच ने कहा कि घटना आत्मघाती विस्फोट प्रतीत होती है। लेकिन यह निश्चित रूप से कहना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि विस्फोट की प्रकृति का पता लगाने के लिए जांच चल रही है। पत्रकारों से बात करते हुए, एसएसपी बलूच ने कहा कि घटनास्थल पर ष्लगभग 100 लोगष मौजूद थे, डॉन न्यूज ने उनके द्वारा देखे गए फुटेज का हवाला देते हुए बताया। पाकिस्तान के बलूचिस्तान से बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है। पाकिस्तान के क्वेटा में जोरदार धमाका हुआ है। क्वेटा रेलवे स्टेशन पर हुए धमाके में 21 लोगों के मौत की जानकारी मिल रही है। धमाके में कई शख्स घायल भी हुए हैं। घायलों को अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा जो लगातार हमलों से दहलती रहती है। अबकी बार स्टेशन के पास ब्लास्ट हुआ है। जैसे ही धमाका हुआ वहां पर हड़कंप मच गया। हालांकि किसी आतंकी संगठन ने अभी इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। मौके पर पुलिस प्रशासन पहुंच चुका है। फिलहाल 21 लोगों के मौत की खबर है। मौत का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। 46 से अधिक अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, विस्फोट के समय एक ट्रेन प्लेटफॉर्म से पेशावर के लिए प्रस्थान करने के लिए तैयार थी।क्वेटा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ऑपरेशन मोहम्मद बलूच ने कहा कि घटना आत्मघाती विस्फोट प्रतीत होती है। लेकिन यह निश्चित रूप से कहना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा कि विस्फोट की प्रकृति का पता लगाने के लिए जांच चल रही हुए, एसएसपी बलूच ने कहा कि घटनास्थल पर ष्लगभग 100 लोगष मौजूद थे, डॉन न्यूज ने उनके द्वारा देखे गए फुटेज का हवाला देते हुए बताया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मोहम्मद बलूच ने कहा कि बम विस्फोट तब हुआ जब यात्री अशांत बलूचिस्तान प्रांत की राजधानी क्वेटा से रावलपिंडी के गैरीसन शहर की यात्रा के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने एक बयान में कहा कि पुलिस और सुरक्षा बल घटना स्थल पर पहुंच गए हैं। शाहिद रिंद ने कहा कि विस्फोट की प्रकृति की जांच की जा रही है क्योंकि बम निरोधक दस्ता घटनास्थल से सबूत इकट्ठा कर रहा है और घटना पर एक रिपोर्ट मांगी गई है।

मोदी का दोस्त आया, कनाडा घबराया, ट्रूडो ने रातों रात खालिस्तानियों पर कर दिया बड़ा एक्शन

ट्रूडो के रुख में आए इस बदलाव के पीछे प्रधानमंत्री मोदी के दोस्त को माना जा रहा है। जो ट्रूडो कल तक कनाडा में रह रहे खालिस्तानियों के हितों को लेकर मुखर थे, अब कह रहे हैं कि कनाडा में खालिस्तान का समर्थन करने वाले बहुत से लोग हैं। लेकिन वो पूरे सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते।कल तक जो ट्रूडो खालिस्तानियों के खैर ख्वाह बने बैठे थे। कल तक जिन ट्रूडो को कनाडा में रह रहे हिंदुओं पर अत्याचार नजर नहीं आ रहे थे। उन जस्टिन ट्रूडो के तेवर अब ढीले पड़ने लगे हैं। उनके तेवर बदलने लगे हैं। कल तक जो ट्रूडो खालिस्तानियों के लिए आंसू बहाते थे वो आज उनके खिलाफ बोल रहे हैं। खालिस्तानियों को लेकर ट्रूडो ने ऐसा कुछ कह दिया, जिससे वहां रह रहे खालिस्तानियों की नींद उड़ गई है। अलगाववादी संगठन सिख फॉर जस्टिस के खालिस्तानी समर्थक गुरवतपंत सिंह पन्नू की नींद ट्रूडो के बयान के बाद से उड़ी हुई है। ट्रूडो के रुख में आए इस बदलाव के पीछे प्रधानमंत्री मोदी के दोस्त को माना जा रहा है। जो ट्रूडो कल तक कनाडा में रह रहे खालिस्तानियों के हितों को लेकर मुखर थे, अब कह रहे हैं कि कनाडा में खालिस्तान का समर्थन करने वाले बहुत से लोग हैं। लेकिन वो पूरे सिख समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं करते। अब सवाल ये है कि आखिर अचानक ट्रूडो को क्या हुआ और उनके तेवर नरम क्यों पड़ने लगे हैं। इसकी बड़ी वजह अमेरिका है। वही अमेरिका जिसे कनाडा अपना बड़ा भाई मानता है। कनाडा में डेमोक्रेट सरकार की विदाई हो गई है। कमला हैरिस चुनाव हार गई हैं। डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के नए बॉस बन गए हैं। ट्रूडो जानते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कितने अच्छे दोस्त हैं। ट्रंप के चुनाव जीतते ही उन्हें सबसे पहले बधाई देने वाले मोदी ही थे। वहीं ट्रंप ने कहा था कि पूरी दुनिया पीएम मोदी को प्यार करती है। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की भी जमकर तारीफ की थी। ट्रंप ने कहा कि भारत के शानदार देश है और पीएम मोदी एक शानदार व्यक्ति हैं। ट्रूडो भी हवा का रुख समझ रहे हैं और अब वो सरेंडर मोड में हैं। इसकी एक वजह और भी है। चुनाव कैंपेन के दौरान डोनाल्ड ट्रंप बांग्लादेश में हिंदओं के साथ हो रही हिंसा का मुद्दा उठा चुके हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के खिलाफ बर्बर हिंसा की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि वहां पूरी तरह अराजकता की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि मेरे निगरानी में ऐसा कभी नहीं होता। ऐसे में ट्रूडो ये कभी नहीं चाहेंगे कि वो ट्रंप का टारगेट बनें। इन सब के अलावा ट्रंप के सबसे करीबी दोस्त ने ट्रूडो को लेकर एक भविष्यवाणी भी की जिससे ट्रूडो बेहद डरे हुए हैं। एलन मस्क ने उस यूजर को रिप्लाई देते हुए लिखा कि ट्रूडो अगले इलेक्शन में जाने वाले हैं। मस्क के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बहुत चर्चा की जा रही है। आपको बता दें कि कनाडा में इसी साल चुनाव होने वाले हैं। साल 2015 से कनाडा के प्रधानमंत्री का पद संभालने वाले ट्रूडो के सामने मुश्किले बड़ी है। हर सर्वे में वो पिछड़ रहे हैं। पार्टी के अंदर ही फूट है। उनके बेतुके बयानों को लेकर भी चर्चा होती रहती है। वो बॉर्डर से अवैध घुसपैठ, बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दों को लेकर अपने ही घर में घिर चुके हैं। वहीं भारत के खिलाफ बेबुनियाद आरोपों ने भी उनकी छवि खराब की है।

ट्रंप, यूरोप में हड़कंप, जर्मनी में अचानक क्यों राजनीतिक संकट गहराया, दो–तिहाई वोटर्स चाहते हैं चुनाव

चांसलर ने कहा कि अगले वर्ष की शुरुआत तक अल्पमत सरकार में उनकी 'सोशल डेमोक्रेट्स' और 'ग्रीन' पार्टी शामिल रहेगी। हालांकि संसद में सबसे बड़े विपक्षी गुट के नेता 'क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स' के फ्रेडरिक मर्ज ने अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान और चुनाव कराने का आह्वान किया है।6 नवंबर का दिन यूरोप के लिए बदलावों वाला रहा। एक तरफ डोनाल्ड ट्रम्प ने संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति चुनाव जीता। लेकिन ठीक उससी वक्त यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था उस समय राजनीतिक उथल–पुथल में घिर गई जब महीनों की अंदरूनी कलह के बाद स्कोल्ज का तीन–पक्षीय गठबंधन टूट गया। जर्मनी की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार अल्पमत में आ गई। सोशल डेमोक्रेट्स (एसपीडी), ग्रीन्स और फ्री डेमोक्रैट्स (एफडीपी) के गठबंधन के बीच विवाद तब और साफ हो गया, जब चांसलर ओलाफ शॉल्त्स ने वित्त मंत्री क्रिस्टियान लिंडनर को बर्खास्त कर दिया। उनके इस फैसले से बाकी उदारवादी नाराज हो गए और कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। सर्वे में कहा गया है कि चांसलर ओलाफ स्कोल्ज के सत्तारूढ़ गठबंधन के पतन के बाद लगभग दो–तिहाई जर्मन मतदाता जल्द से जल्द चुनाव चाहते हैं। चांसलर ने कहा कि अगले वर्ष की शुरुआत तक अल्पमत सरकार में उनकी 'सोशल डेमोक्रेट्स' और 'ग्रीन' पार्टी शामिल रहेगी। हालांकि संसद में सबसे बड़े विपक्षी गुट के नेता 'क्रिश्चियन डेमोक्रेट्स' के फ्रेडरिक मर्ज ने अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान और चुनाव कराने का आह्वान किया है। शोल्ज ने इस बात पर जोर दिया कि वह 15 जनवरी से पहले विश्वास मत नहीं कराना चाहते हैं। अगले चुनाव की संभावित तारीख के बारे में चांसलर कार्यालय में मर्ज और शोल्ज की बैठक एक घंटे से भी कम समय में समाप्त हो गई, तथा मर्ज वार्ता पर कोई टिप्पणी किए बिना ही चले गए। राष्ट्रपति फ्रैंक–वाल्टर स्टीनमीयर ने बर्खास्त वित्त मंत्री लिंडनर और 'फ्री डेमोक्रेट्स' पार्टी के दो अन्य मंत्रियों अनुसंधान मंत्री बेट्टीना स्टार्क–वाटजिंगर और न्याय मंत्री मार्को बुशमैन को पद से हटाए जाने की जानकारी दी। मौजूदा गठबंधन में वामपंथी 'सोशल डेमोक्रेट्स' और पर्यावरणवादी 'ग्रीन' पार्टी है। हालांकि, मर्ज ने जनवरी तक विश्वास मत हासिल करने की शोल्ज की योजना को सख्ती से खारिज कर दिया। शोल्ज की सरकार के पास अब संसद में बहुमत नहीं है, इसलिए वह संभवतः विश्वासमत हार जाएंगे। उस स्थिति में, जर्मनी के राष्ट्रपति 21 दिनों के भीतर संसद को भंग कर सकते हैं और जनवरी में ही चुनाव करवा सकते हैं। कारोबार समर्थक 'फ्री डेमोक्रेट्स' पार्टी के लिंडनर ने कर में वृद्धि या ऋण लेने की सख्त स्व–निर्धारित सीमाओं में बदलाव को अस्वीकार कर दिया था। हालांकि शोल्ज की 'सोशल डेमोक्रेट्स' और 'ग्रीन' पार्टी बड़े पैमाने पर सरकारी निवेश चाहती हैं और उन्होंने कल्याणकारी कार्यक्रमों में कटौती के 'फ्री डेमोक्रेट्स' के प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया था।

पाकिस्तान के क्वेटा रेलवे स्टेशन पर हुआ घातक विस्फोट, 20 लोगों की मौत, कई घायल

क्वेटा के रेलवे स्टेशन पर एक भयानक विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिनमें से कई की हालत गंभीर है। यह विस्फोट भीड़भाड़ वाले प्लेटफॉर्म पर हुआ। पाकिस्तान शनिवार की सुबह क्वेटा के रेलवे स्टेशन पर एक भयानक विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिनमें से कई की हालत गंभीर है। यह विस्फोट भीड़भाड़ वाले प्लेटफॉर्म पर हुआ, जब यात्री स्टेशन से रवाना होने वाली दो प्रमुख ट्रेनों में से एक, जफर एक्सप्रेस में सवार होने की तैयारी कर रहे थे।रेलवे अधिकारियों के अनुसार, जफर एक्सप्रेस सुबह 9रू00 बजे पेशावर के लिए रवाना होने वाली थी, लेकिन विस्फोट होने के समय वह अभी प्लेटफॉर्म पर नहीं पहुँची थी, जिससे संभवतः और अधिक हताहत होने से बचा जा सके। विस्फोट प्लेटफॉर्म के पास स्टेशन के बुकिंग ऑफिस को निशाना बनाकर किया गया, जहाँ सुबह–सुबह ट्रेनों के आने की उम्मीद में भीड़ जमा हो गई थी। विस्फोट के प्रभाव से स्टेशन में हड़कंप मच गया, जिससे यात्रियों में अफरा–तफरी मच गई और वे सुरक्षित बचने के लिए इधर–उधर भागने लगे।आपातकालीन प्रतिक्रिया दल और पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुँचे और घायलों को क्वेटा के सिविल अस्पताल में पहुँचाया। अस्पताल में आपातकाल घोषित कर दिया गया है, तथा बड़ी संख्या में हताहतों की देखभाल के लिए अतिरिक्त चिकित्सा कर्मचारियों को बुलाया गया है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि घायलों में से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।हमले के जवाब में, कार्यवाहक राष्ट्रपति सैयद यूसुफ रजा गिलानी ने अपराधियों की निंदा की, तथा निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाने के लिए उन्हें ष्मानवता का दुश्मनष करार दिया। उन्होंने आतंकवाद से निपटने तथा जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता पर जोर दिया।बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने भी हमले की निंदा की तथा संबंधित अधिकारियों को घटना की गहन जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने जनता को आश्वासन दिया कि प्रांतीय सरकार बलूचिस्तान के सामने आने वाली सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। जैसे–जैसे जांचकर्ता विस्फोट के पीछे के कारण तथा उद्देश्य का पता लगाने के लिए काम कर रहे हैं, क्षेत्र में आगे के हमलों को रोकने के लिए प्रमुख पारगमन बिंदुओं पर सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं। अधिकारी बम निरोधक इकाइयों के साथ भी समन्वय कर रहे हैं, ताकि साक्ष्य एकत्र किए जा सकें तथा विस्फोट की प्रकृति के बारे में अधिक जानकारी जुटाई जा सके। यह हमला बलूचिस्तान में जारी सुरक्षा चिंताओं की एक और याद दिलाता है, एक ऐसा प्रांत जिसने हाल के वर्षों में लगातार अशांति और हिंसा देखी है। सरकार ने अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और क्षेत्र से आतंकवाद के अभिशाप को खत्म करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने की कसम खाई है।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक,**सम्पादक कपिल देव शुक्ल** द्वारा विभव प्रिंटर्स गाटा सं025 लोलेपुर सुलतानपुर उ० प्र०. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट, पो० व थाना कुरेभार, जिला–सुलतानपुर (उ०प्र०) से प्रकाशित **सम्पादक– कपिल देव शुक्ल**,
मो० 9415739288,9721748962
E-mail: kdshukla-79@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।